तापमान अधिकतम 44 .2 डिग्री न्यूनतम 20 .8 डिग्री

हरिभूमि
रोहतक भूमि
रोहतक, सोमवार 27 अप्रैल 2026

तीसरी बार रिकॉर्ड

अलविदा हर्ष आपको सैल्यूट

16 साल की उम्र में अमर हुआ बेटा
अंगदान से 6 जिंदगियों को मिला नया जीवन

शहर में आज

- रोडवेज कर्मचारी यूनियन की मीटिंग।
- बिजली निगम कर्मचारियों की बैठक।
- समाधान शिविर में सुनी जाएंगी समस्याएं।
- फायर ब्रिगेड कर्मियों की हड़ताल।

जीवन उपहार मां के फैसले ने बेटे को अमर कर दिया, पीजीआईएमएस से उड़ी जिंदगी की नई उड़ान

18 डॉक्टरों की टीम 36 घंटे मॉनिटरिंग व 5 घंटे ऑपरेशन के बाद निकाले अंग

बेटे को खोकर भी परिवार ने रचा इतिहास

- सुबह 10 बजे शुरू हुई अंग निकालने की प्रक्रिया, दोपहर में दी हर्ष को अंतिम विदाई
- 150 से अधिक जवानों ने सम्भाला ग्रीन कॉरिडार के लिए मोर्चा, नहीं हुई परेशानी
- ये अंग निकाले दो कॉर्निया, दो किडनी व लीवर, रातभर जागी टीम ये नहीं निकाले हृदय व फेफड़े
- एलपीएस बोसार्ड के एमडी राजेश जैन ने परिवार को 5 लाख की आर्थिक मदद दी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

हरियाणा की धरती पर रविवार का दिन इतिहास में दर्ज हो गया, जब एक 16 वर्षीय युवा के परिवार ने अपने गहरे दुख को मानवता की सबसे बड़ी मिसाल में बदल दिया। ब्रेन डेड घोषित होने के बाद इस किशोर के अंग दान किए गए, और पहली बार राज्य में अंगों को एयरलिफ्ट कर दूसरे अस्पताल तक पहुंचाया गया। इससे छह लोगों को जीवनदान मिलेगा। सुबह 10 बजे पीजीआईएमएस के ऑपरेशन थिएटर में वरिष्ठ सर्जनों की टीम और बाहर से आए विभिन्न अस्पतालों के सर्जनों ने अंग निकालने की प्रक्रिया शुरू की। निश्चेतन, यूरोलॉजी, गैस्ट्रो सर्जरी और नेत्र विभाग के करीब 18 से अधिक डॉक्टरों की टीम 5 घंटे तक लगातार काम करती रही। पूरे महादान के पीछे निश्चेतन विभाग के डॉ. तरुण और उनकी टीम की मेहनत है। ब्रेन डेड घोषित होने के बाद 36 घंटे तक इन्होंने बच्चे के अंगों को वेंटिलेटर पर जिंदा रखा। हर घंटे ब्लड प्रेशर, ऑक्सीजन, हार्ट रेट मॉनिटर किया। रात भर चिकित्सकों की टीम जागती रही। साथ ही एलपीएस बोसार्ड के एमडी राजेश जैन ने परिवार से मुलाकात कर पांच लाख रुपये आर्थिक मदद दी।

चेन्नई की टीम नहीं पहुंची

युवा के शरीर से दो कॉर्निया, दो किडनी व लीवर निकाले गए हैं, जबकि चेन्नई से हार्ट की डिमांड आई थी, लेकिन वह टीम नहीं पहुंच पाई। इसलिए हृदय और फेफड़े नहीं निकाले गए हैं।

समाज के लिए संदेश : यह घटना न केवल चिकित्सा क्षेत्र में एक उपलब्धि है, बल्कि यह समाज के लिए एक संदेश भी है कि जीवन के बाद भी हम किसी के काम आ सकते हैं।
-डॉ. एसके सिंघल, निदेशक, पीजीआई

इनकी अहम भूमिका

1. **ब्रेन डेथ सर्टिफिकेशन (बीएसडी):** डॉ. सुरेखा डाबला, डॉ. गोपाल कृष्ण, डॉ. तरुण यादव एवं डॉ. लव शर्मा ने दो बार ब्रेन डेथ टेस्ट किए। पूरी पारदर्शिता से ब्रेन डेड की पुष्टि की और कानूनी प्रक्रिया पूरी करवाई।
2. **फोरेंसिक टीम :** डॉ. लव शर्मा, डॉ. जितेंद्र जाखड़, डॉ. योगेश ने अंग निकालने के बाद पोस्टमार्टम किया और पार्थिव देह सौंपने में मदद की।
3. **सोटो हरियाणा टीम :** नोडल अधिकारी डॉ. सुखबीर सिंह, ट्रांसप्लांट कोऑर्डिनेटर दीप्ति खर्ब एवं मीडिया सलाहकार राजेश, ट्रांसप्लांट कोऑर्डिनेटर रोहित ने परिवार की काउंसलिंग की। नोटो से समन्वय, अंग आवंटन, सेना से संपर्क और ग्रीन कॉरिडोर बनवाने तक भूमिका निभाई।
4. **ट्रॉमा टीम :** चिकित्सा अधीक्षक डॉ. कुंदन मित्तल के नेतृत्व में डॉ. पंकज छिकारा, डॉ. राजेश रोहिल्ला, डॉ. अपर्णा परमार, डॉ. परजीत गिल,डॉ अंकुर गोयल, डॉ विवेक ठाकुर, डॉ गौरव पांडे, डॉ आर एस चौहान,डॉ वरुण अरोड़ा, एवं डॉ. रोहित ने पूरी प्रक्रिया के दौरान मरीज के सभी टेस्ट करवाए।
5. जनसंपर्क विभाग के इंचार्ज डॉ. वरुण अरोड़ा, डॉ उमेश यादव ने बताया कि इसराना और पानीपत पुलिस ने भी केस को समय पर पूरा करवाने में योगदान दिया।

एयरलिफ्ट कैसे हुई हर मिनट थी चुनौती

किडनी निकालने के बाद उसे सिर्फ 6 से 8 घंटे में ट्रांसप्लांट करना होता है। चंडी मंदिर सड़क मार्ग से 4 घंटे दूर है। सेना को जब किडनी अलाट हुई तब टाइम बहुत कम बचा था। आर्मी कमांड हॉस्पिटल ने 1 घंटे में हेलीकॉप्टर भेजने की मंजूरी ली। सोटो हरियाणा की ट्रांसप्लांट कोऑर्डिनेटर दीप्ति ओर सलाहकार मीडिया राजेश कुमार ने बताया कि प्रशासन और पुलिस ने बाबा मस्तनाथ हेलीपैड को क्लियर कराया। पीजीआई से हेलीपैड तक 5 मिनट का ग्रीन कॉरिडोर बनाया गया। इस दौरान एक भी रेड सिग्नल नहीं हुआ।

थलसेना कमांडर ने किया प्रोत्साहित

थलसेना कमांडर (पश्चिमी कमान) ने इसमें शामिल सभी कर्मियों सहित कर्नल अनुराग की सराहना की और दोहराया कि सेना हर सैनिक व उसके परिवार के साथ मजबूती से खड़ी है। कर्नल अनुराग ने बताया कि अस्पताल से प्रत्यारोपण केंद्र तक अंग को पहुंचाने के लिए सेना के हेलीकॉप्टर को तत्काल कार्य पर लगाया गया।

रोहतक आयुक्त का सहयोग रहा

डॉ गौरव ने कहा कि भारतीय सेना अपने सैनिकों और उनके परिवारों के कल्याण के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता दोहराती है। डॉ अनुराग ने कहा कि आज आर्मी अस्पताल एयर लिफ्ट करने में सफल हो पाया है उसमें सबसे बड़ा अहम रोल उनके वेस्टर्न कमांड के आर्मी कमांडर और रोहतक के मंडल आयुक्त राजीव रतन का सबसे बड़ा सहयोग रहा है। जिन्होंने आज कल सुबह कुछ ही मिनट में एयर लिफ्ट की अनुमति प्रदान कर एक आर्मी के जवान की अहम जान बचाई।

अंगदान करने वाले परिवार असली हीरो : आरती राव

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री आरती राव ने पीजीआईएमएस, रोहतक में 16 वर्षीय ब्रेन डेड किशोर का अंगदान कर 6 लोगों को नया जीवन देने वाले परिवार का हृदय से धन्यवाद व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि यह परिवार पूरे प्रदेश के लिए प्रेरणा है। स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने कहा कि जिस हिम्मत और बड़े दिल से इस शोकाकुल परिवार ने अंगदान का फैसला लिया, वह शब्दों से परे है। एक बेटे को खोकर भी उन्होंने 6 घरों के चिराग बुझने से बचा लिए। हरियाणा को ऐसे परिवारों पर गर्व है। यह महादान समाज को नई दिशा देगा। मंत्री आरती सिंह राव ने उन सभी परिवारों का भी आभार जताया जिन्होंने पहले पीजीआईएमएस और प्रदेश के अन्य संस्थानों में अंगदान कर मिसाल कायम की।

अंगदान करें जीवन बचाएं और अमर बनें : कुलपति

कुलपति डॉ. एचके अग्रवाल ने आमजन से अंगदान की अपील करते हुए कहा कि समय पर अंग न मिलने से कई मरीजों की जान नहीं बच पाती। उन्होंने 16 वर्षीय बच्चे के अंगदान को प्रेरणादायक बताया। शरीर नष्ट हो जाता है, लेकिन अंगदान से किसी की जिंदगी बचाई जा सकती है, जो सबसे बड़ा धर्म है। गीता का उदाहरण देते हुए उन्होंने अंगदान को जीवन का सच्चा अर्थ बताया।

रोहतक पुलिस ने तीसरी बार बनाया ग्रीन कॉरिडोर

रोहतक पुलिस ने रविवार को तीसरी बार सफल ग्रीन कॉरिडोर बनाकर मानव अंगों को समय पर अस्पताल और हेलीपैड तक पहुंचाया। एसपी के मार्गदर्शन और एएसपी आयुष यादव के नेतृत्व में यह कार्य किया गया। करीब 150 पुलिसकर्मियों ने विभिन्न रूटों पर तैनात रहकर यातायात को सुचारु रखा। दिल्ली और बाबा मस्तनाथ यूनिवर्सिटी हेलीपैड के लिए अंगों को बिना किसी बाधा के पहुंचाया गया।

गंभीर रूप से घायल था किशोर : डॉ तरुण

युवा का इलाज करने वाले निश्चेतन विभाग के डॉ तरुण ने भारी मन से बताया कि गत दिनों सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल किशोर को पीजीआईएमएस के ट्रॉमा सेंटर लाया गया था। सिर में गहरी चोट के कारण 24 अप्रैल को चिकित्सकों ने उसे ब्रेन डेड घोषित कर दिया। उसके पिता भी उसके साथ ही सड़क दुर्घटना में घायल हो गए थे जिनका स्वर्गवास गत दिनों ही हो गया था।

परिवार ने दुःख में भी साहस किया : जैन

एलपीएस बोसार्ड के एमडी राजेश जैन ने कहा कि यह घटना हमें कई सवालों के सामने खड़ा करती है। क्या हम भी ऐसा साहस दिखा सकते हैं? क्या हम अपने जीवन के बाद किसी और को जीवन देने का निर्णय ले सकते हैं? भारत में आज भी हजारों लोग अंग प्रत्यारोपण के इंतजार में हैं। हर दिन कई मरीज सिर्फ इसलिए दम तोड़ देते हैं क्योंकि उन्हें समय पर अंग नहीं मिल पाता। राजेश बताया कि उन्होंने परिवार की आर्थिक स्थिति को देखते हुए 5 लाख रुपये की सहायता देने की घोषणा की, ताकि इस कठिन समय में उन्हें कुछ सहारा मिल सके।

अंगदान हर साल पांच लाख मौते अंग फेल होने से: रोहित

पीजीआई के ट्रांसप्लांट कोऑर्डिनेटर रोहित ने बताया कि एक आंकड़े के अनुसार भारत में हर साल 5 लाख लोगों की मौत अंग फेल होने से होती है। इनमें से 2 लाख लिवर, 50 हजार हार्ट, 10 हजार फेफड़े के मरीज हैं। लेकिन सिर्फ 0.86 प्रति मिलियन आबादी अंगदान करती है। हरियाणा में यह आंकड़ा 0.5 से भी कम था। एक ब्रेन डेड व्यक्ति से 8 लोगों को जीवन और 50 लोगों को नई जिंदगी दे सकता है।

कुलपति ने परिवार को समझाया

जब कुलपति डॉ एच के अग्रवाल ने उस बच्चे के बड़े भाई के कंधे पर हाथ रखा, तो उनकी आंखों में सिर्फ आंसू थे। डॉ अग्रवाल ने कहा कि आपका भाई, बेटा तो चला गया, पर उसके अंग करीब 6 घरों के चिराग बुझने से बचा सकते हैं। आपका बच्चा मरकर भी अमर हो जाएगा। डॉ. अग्रवाल की आंखें भी नम हो गईं। मां कुछ देर तक चुप रही, फिर बोली - डॉक्टर साहब, मेरा बेटा दूसरों के काम आ जाए, इससे बड़ा सुकून मेरे लिए कुछ नहीं। हमारा फर्ज है कि हम देश के लिए अगर किसी काम आ जाए तो इससे अच्छी कोई बड़ी बात नहीं हो सकती इसलिए वह अपने बेटे के अंगदान करेंगी।

साढ़े नौ बजे उतरा था हेलीकॉप्टर

सोटो हरियाणा के नोडल अधिकारी डॉ सुखबीर सिंह ने बताया कि दूसरी किडनी आर्मी कमांड हॉस्पिटल, चंडीमंदिर को अलॉट हुई। इसके लिए सेना की एक विशेष डॉक्टर टीम हेलीकॉप्टर से रविवार सुबह 9:30 बजे बाबा मस्तनाथ यूनिवर्सिटी, अस्थल बोहर के हेलीपैड पर उतरी। पीजीआईएमएस से ग्रीन कॉरिडोर बनाकर किडनी को हेलीपैड तक पहुंचाया गया और दोपहर 3 बजे हेलीकॉप्टर किडनी लेकर चंडीमंदिर रवाना हो गया। यह हरियाणा में अंग की पहली एयरलिफ्टिंग थी। उसने अपने आप में एक इतिहास बनाया है।

यह है ग्रीन कॉरिडोर

ग्रीन कॉरिडोर एक ऐसा विशेष अस्थाई, स्थाई मार्ग है जिसे पुलिस और प्रशासन मिलकर ट्रैफिक मुक्त बनाते हैं। ताकि एम्बुलेंस या अंगदान के लिये कम से कम समय मे एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाया जा सके। जिसका मुख्य उद्देश्य जीवन रक्षक अंगों के परिवहन मे लगने वाले समय को घटाकर मरीजों की जान बचाना है।

मदवि: यूजी/पीजी की प्रैक्टिकल परीक्षाओं का शेड्यूल जारी

रोहतक। महर्षि दयानंद यूनिवर्सिटी ने यूजी/पीजी की प्रैक्टिकल परीक्षाओं का शेड्यूल जारी कर दिया है। परीक्षा नियंत्रक प्रो राहुल ऋषि ने बताया कि यूजी/पीजी की प्रैक्टिकल परीक्षाएं 1 मई से 11 मई तक आयोजित की जाएंगी। प्रैक्टिकल परीक्षाओं की डेटशीट विवि वेबसाइट से प्राप्त की जा सकती है।

जाट कॉलेज में प्लेसमेंट ड्राइव आज, सीवी के साथ आएं छात्र

रोहतक। अखिल भारतीय जाट सुरमा स्मारक महाविद्यालय में सोमवार 27 अप्रैल को एक प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया जा रहा है। कॉलेज प्राचार्य प्रोफेसर जोगेंद्र सिंह दहिया ने बताया कि यह प्लेसमेंट ड्राइव आईसीआईसीआई बैंक द्वारा आयोजित की जा रही है। इसमें स्नातक कर चुके या स्नातकोत्तर कर रहे या कर चुके जिनकी उम्र 28 वर्ष से कम है उन विद्यार्थियों के लिए आयोजित की जा रही है। कॉलेज प्लेसमेंट सेल के इंचार्ज डॉ शीशपाल राठी ने बताया कि इस ड्राइव में 27 अप्रैल को 10:00 बजे से कोई भी पूर्व विद्यार्थी जो स्नातक कर चुका है भाग ले सकता है। विद्यार्थी को कॉलेज कैंपस में अपने सीवी के साथ अन्य डॉक्यूमेंट भी साथ लेकर आने हैं।

रोहतक। देवेन को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

देवेन जाखड़ जिला स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता में बने चैंपियन

रोहतक। रोहतक के माता दरवाजा गोकर्ण रोड स्थित एमएस सरस्वती सीनियर सेकेंडरी स्कूल में 38वीं जिला शतरंज चैंपियनशिप का समापन रविवार को हुआ। जिला शतरंज एसोसिएशन रोहतक द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता का उद्देश्य राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए प्रतिभाशाली खिलाड़ियों का चयन करना रहा।प्रतियोगिता के अंडर-19 वर्ग में मॉडल स्कूल सेक्टर-4 के छात्र देवेन जाखड़ ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान हासिल किया। इस उपलब्धि के साथ उनका चयन जिला टीम में किया गया है, जो आगामी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में रोहतक का प्रतिनिधित्व करेगी।टूर्नामेंट निदेशक उमेद शर्मा ने बताया कि प्रतियोगिता में शहर के नामी स्कूलों के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों से भी 200 से अधिक छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। इससे जिले में शतरंज के प्रति बढ़ती रुचि का भी पता चलता है।देवेन जाखड़ की इस सफलता पर उनके स्कूल प्राचार्य ने बधाई दी, वहीं उनके पिता एडवोकेट दिग्विजय और माता डॉ. एकता जाखड़ ने खुशी जताते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। आयोजकों ने उम्मीद जताई कि देवेन राज्य स्तर पर भी बेहतर प्रदर्शन कर जिले का नाम रोशन करेंगे।

नोटों की नई गड्डी दिलाने के नाम पर ठगी, 24 घंटे में आरोपी पकड़ा

रोहतक। पुलिस ने नोटों की नई गड्डी दिलाने के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने वारदात के मुख्य आरोपी को मात्र 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे पहुंचा दिया है। मामले के अनुसार, सांपला की देव कॉलोनी निवासी राजेश ने ठगी की शिकायत दर्ज कराई थी। राजेश के पास 20 अप्रैल को एक अज्ञात नंबर से कॉल आया, जिसमें आरोपी ने उसे 10 और 20 रुपये के नोटों की नई गड्डियां दिलाने का झांसा दिया। राजेश उसकी बातों में आ गया और यूपीआई के माध्यम से 13 हजार रुपये ट्रांसफर कर दिए। पैसे मिलते ही आरोपी ने संपर्क काट दिया। पुलिस की टीम ने तकनीकी जांच के आधार पर दबिश दी। पुलिस ने 25 अप्रैल को आरोपी धनराज उर्फ दीपक (निवासी हसनपुर, भिवानी हाल गुरुग्राम) को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अब गिरोह के अन्य सदस्यों और उनके नेटवर्क का पता लगाने के लिए आरोपी से गहन पूछताछ कर रही है।

सांपला में एसटीएफ की बड़ी कार्रवाई

रोहित गोदारा गैंग का सदस्य हथियारों सहित गिरफ्तार

- गैंग के इशारे पर बड़ी वारदात की फिराक में था आरोपी
- दीपक के घर से दो अवैध पिस्तौल और पांच जिंदा कारतूस बरामद

हरिभूमि न्यूज ⏭ सांपला

सांपला क्षेत्र में विशेष कार्य बल (एसटीएफ) की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए कुख्यात रोहित गोदारा गैंग से जुड़े एक आरोपी को अवैध हथियारों सहित गिरफ्तार किया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, एसआई अनिल कुमार के नेतृत्व में टीम सोनीपत रोड स्थित पाकसमा मोड़ क्षेत्र में वांछित अपराधियों की तलाश में गश्त कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि गांव पाकसमा निवासी दीपक उर्फ ढिल्लू उर्फ रोमियो, जो हाल ही में जमानत पर जेल से बाहर आया है, आपराधिक गतिविधियों में सक्रिय है और गैंग के संपर्क में रहकर किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम आरोपी के घर पहुंची, जहां प्रारंभिक पूछताछ में वह टालमटोल करने लगा। बाद में उसे और उसके पिता को साथ लेकर एसटीएफ कार्यालय रोहतक लाया गया। गहन पूछताछ में आरोपी ने खुलासा किया कि वह रोहित गोदारा गैंग का सदस्य है और गैंग के कहने पर उसने हथियार भी जुटा रखे हैं।

आरोपी की निशानदेही पर पुलिस टीम ने उसके घर के स्टोर रूम से एक काले रंग के पिट्ठू बैग में छिपाकर रखे गए दो अवैध पिस्तौल और पांच जिंदा कारतूस बरामद किए। बरामद हथियारों के संबंध में आरोपी कोई लाइसेंस या परमिट प्रस्तुत नहीं कर सका।पुलिस ने हथियारों को कब्जे में लेकर आरोपी के खिलाफ थाना सांपला में आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है। मामले की आगे की जांच के लिए विशेष कार्य बल के अधिकारी को नियुक्त किया गया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पूछताछ में गैंग से जुड़े अन्य सदस्यों और संभावित आपराधिक योजनाओं के बारे में अहम खुलासे होने की उम्मीद है।

45 साल पहले 49 डिग्री तक पहुंचा था पारा, अब फिर बढ़ रहा खतरा

24 घंटे में तापमान 1 डिग्री सेल्सियस गिरा

बढ़ता तापमान अब सेहत ही नहीं पर्यावरण के लिए भी घातक

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

शनिवार की बजाय रविवार को रोहतक के अधिकतम तापमान में एक डिग्री सेल्सियस की गिरावट होकर ये 43.6 हुआ। इसके बाद भी तापमान सामान्य से 3.6 डिग्री सेल्सियस रहा। अगर हम ठीक 45 साल पहले की बात करें तो जून 1981 में रोहतक का अधिकतम तापमान 49 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया था। शहर इस समय भी कई दिन से भीषण गर्मी की चपेट में है, और मौसम का मिजाज ऐसा है मानो किसी अदृश्य भट्ठी में तप रहा हो। तापमान के पुराने रिकॉर्ड और हाल के वर्षों के आंकड़े यह साफ संकेत देते हैं कि यहां गर्मी अब सिर्फ मौसम नहीं, बल्कि एक बढ़ती चुनौती बनती जा रही है। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार, रोहतक का सर्वकालिक अधिकतम तापमान 49.1 डिग्री सेल्सियस जून 1981 में दर्ज किया गया था। यह स्तर उत्तर भारत में अत्यंत खतरनाक हीटवेव की श्रेणी में आता है। विशेषज्ञ मानते हैं कि 49 डिग्री के आसपास का तापमान इंसानी स्वास्थ्य, जल संसाधनों और बिजली आपूर्ति पर गंभीर असर डाल सकता है। हाल के वर्षों के आंकड़े भी कम चिंताजनक

नहीं हैं। वर्ष 2022 और 2024 में तापमान करीब 48.2 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जो यह दिखाता है कि रोहतक अब बार-बार चरम गर्मी का सामना कर रहा है। वहीं 2019 से 2023 के बीच अधिकतम तापमान आमतौर पर 44 से 47.9 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया। वर्ष 2021 में भी पारा लगभग 44.6 डिग्री तक पहुंचा था। इस साल यानी 2026 में गर्मी ने अप्रैल महीने में ही तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। 24 और 25 अप्रैल को तापमान 44.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जोकि इस मौसम का सर्वाधिक है। विशेषज्ञों का मानना है कि जून में यह और अधिक बढ़ सकता है।

ठोस कदम उठाने की जरूरत

बढ़ता तापमान अब केवल असहजता का विषय नहीं रहा, बल्कि यह एक गंभीर पर्यावरणीय संकट का संकेत है। लगातार गर्मी बढ़ने से जल संसाधनों पर दबाव, कृषि उत्पादन में गिरावट और जनस्वास्थ्य पर खतरा बढ़ रहा है। हीट वेव की घटनाएं अधिक तीव्र और लंबी हो रही हैं, जिससे बुजुर्गों और बच्चों पर खास असर पड़ रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाले वर्षों में स्थिति और गंभीर हो सकती है। -राजेश धनखड़ वरिष्ठ प्रोफेसर पर्यावरण विज्ञान विभाग महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय

मई और जून सबसे गर्म माह

रोहतक में मई-जून सबसे गर्म महीने होते हैं। सामान्यतः तापमान 42-46 डिग्री रहता है, जबकि हीटवेव में यह 47-49 डिग्री तक पहुंच जाता है। लू और कम नमी से हालात और गंभीर हो जाते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार शहरीकरण, घटती हरियाली और जलवायु परिवर्तन इसके प्रमुख कारण हैं। अब 44-46 डिग्री सामान्य हो गया है, जबकि 47-48 डिग्री भी आम होता जा रहा है।

जनस्वास्थ्य पर पड़ रहा असर

प्रो. राजेश धनखड़ के अनुसार बढ़ता तापमान अब गंभीर पर्यावरणीय संकट बन गया है। इससे जल संसाधनों, कृषि और जनस्वास्थ्य पर असर पड़ रहा है, जबकि हीटवेव अधिक तीव्र हो रही हैं। समय रहते कदम न उठाए गए तो स्थिति और बिगड़ सकती है।

इधर: शहर की हवा खतरनाक श्रेणी के करीब

रोहतक। रोहतक शहर का तापमान अब चरम पर है। ऐसे में हवा की गुणवत्ता खतरनाक स्तर पर पहुंचने के करीब है। रविवार को शहर का पीएम 2.5 स्तर 285 दर्ज किया गया, जो बहुत खराब श्रेणी में आता है। हवा में तैरते बारीक कण अब आंखों में चुभन और फेफड़ों पर बोझ बन चुके हैं, जिससे आम जनजीवन पर साफ असर दिखाई दे रहा है। इस प्रदूषण के पीछे दो बड़े कारण उभरकर सामने आए हैं। फसल कटाई के बाद खेतों में अवशेष जलाना और आसपास के औद्योगिक क्षेत्रों से निकलने वाला धुआं। अप्रैल के अंत में गेहूं की कटाई के बाद कई जगहों पर पराली और सूखे अवशेष जलाए जा रहे हैं, जिससे वातावरण में धुएं की मोटी परत छा जाती है। यह धुआं हवा के साथ शहर की ओर खिंच आता है और प्रदूषण को कई गुना बढ़ा देता है। अगर इस समय बारिश हो जाए तो पीएम 2.5 की मात्रा कुछ कम हो सकती है।

फैक्ट्रियों के धुएं से बढ़ा प्रदूषण

रोहतक के औद्योगिक क्षेत्रों में फैक्ट्रियों से निकलने वाला धुआं प्रदूषण बढ़ा रहा है। धीमी हवा के कारण सूक्ष्म कण वातावरण में ही ठहर जाते हैं, जिससे हालात बिगड़ते हैं। डॉक्टरों के अनुसार बढ़ा पीएम 2.5 बच्चों, बुजुर्गों और सांस के मरीजों के लिए खतरनाक है। अस्पतालों में खांसी, एलर्जी और सांस संबंधी मरीज बढ़ रहे हैं।

हवा बनी 'धुएं की चादर'

मौसम विशेषज्ञों के अनुसार फिलहाल प्रदूषण से राहत की संभावना कम है। हवा की धीमी रफ्तार और बढ़ते तापमान के कारण प्रदूषक कण नीचे ही बने हुए हैं। यदि जल्द बारिश या तेज हवाएं नहीं चलीं तो स्थिति और बिगड़ सकती है।प्रशासन ने लोगों से अनावश्यक बाहर निकलने से बचने और मास्क पहनने की अपील की है।

48,054 गेट पास कटे, सरसों की खरीद भी जारी
गेहूं की बंपर आवक से मंडियों में नहीं जगह
2.89 लाख मीट्रिक टन गेहूं खरीदा, पर आधा ही उठा अनाज, किसान हुए परेशान

फसल खरीद का रिकॉर्ड उठान की रफ्तार पर सवाल

रोहतक में 2.89 लाख एमटी गेहूं की आवक, मंडियां अंटी

- गेहूं के लिए 2585 रुपये न्यूनतम समर्थन मूल्य निर्धारित
- रोहतक सबसे आगे, किसानों की भागीदारी चरम पर

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

जिले की मंडियां इन दिनों गेहूं की बंपर आवक से लबालब हैं। खरीद का आंकड़ा 2.89 लाख मीट्रिक टन को पार कर चुका है, लेकिन इसके साथ ही उठान की रफ्तार भी चर्चा का विषय बनती जा रही है। उपायुक्त सचिन गुप्ता के अनुसार, अब तक जिला की मंडियों और खरीद केंद्रों में 289259.89 मीट्रिक टन गेहूं और 2038.80 मीट्रिक टन सरसों की खरीद की जा चुकी है। सरकार द्वारा गेहूं के लिए 2585 रुपये प्रति क्विंटल और सरसों के लिए 6200 रुपये प्रति क्विंटल न्यूनतम समर्थन मूल्य तय किया गया है, जिसके तहत किसानों की फसल की खरीद लगातार जारी है।

यह चिंता

कुल खरीद के मुकाबले उठान का आंकड़ा 138631.85 मीट्रिक टन तक ही पहुंच पाया है, जो लॉजिस्टिक व्यवस्था की गति पर सवाल खड़े करता है।

किसान अवशेषों का करें उचित प्रबंधन

डीसी सचिन गुप्ता ने किसानों से अपील की है कि वे गेहूं के फसल अवशेषों का उचित प्रबंधन करें, ताकि पर्यावरण प्रदूषण से बचा जा सके और कृषि व्यवस्था संतुलित बनी रहे। रोहतक में खरीद सीजन अपने चरम पर है। आंकड़े तेजी से ऊपर चढ़ रहे हैं, लेकिन अब असली परीक्षा इस बात की है कि उठान और भंडारण की व्यवस्था इस रफ्तार का साथ कितनी मजबूती से दे पाती है। मंडियों में अनाज का बढ़ता दबाव प्रशासन के लिए अगली बड़ी चुनौती बन सकता है।

मंडियों में मूलभूत सुविधा उपलब्ध

मंडियों में जारी इस तेज रफ्तार खरीद के बीच अब तक 48,054 गेट पास जारी किए जा चुके हैं, जो किसानों की सक्रिय भागीदारी को दर्शाता है। जिला प्रशासन का दावा है कि सभी मंडियों में मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाई गई हैं और खरीद प्रक्रिया को सुचारू बनाए रखने के लिए आवश्यक इंतजाम किए गए हैं। अगर मंडीवार आंकड़ों पर नजर डालें तो रोहतक मंडी सबसे आगे है, जहां 79367.40 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद हुई है। इसके अलावा महम मंडी में 51650.20 मीट्रिक टन, सांपला में 44678.40 मीट्रिक टन और किलोई मंडी में 24367.80 मीट्रिक टन गेहूं खरीदा गया है। लाखनमाजरा, मदीना, सांघी और फरमाणा खास मंडियों में भी हजारों टन की खरीद दर्ज की गई है।

फसल अवशेष जलाए तो होगी कार्रवाई

सांपला। गेहूं की कटाई के बाद गेहूं के फांस जलाए जा रहे हैं। इससे आग लगने की घटनाएं बढ़ रही हैं। इसको लेकर जिला प्रशासन गंभीरता से लिया है। उन्होंने चेतावनी जारी करते हुए कहा कि खेतों में गेहूं का डंठल जलाना पूर्णतः प्रतिबंधित है। खेतों में अवशेष जलाने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस में पंचायतों का भी सहयोग लिया है। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया है कि फांस जलाने की किसी भी घटना पर संबंधित कृषक के विरुद्ध नियमानुसार दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। साथ ही दो एकड़ से कम भूमि वाले कृषकों पर प्रति घटना के लिए पांच हजार रुपये के पर्यावरणीय प्रतिकर का जुर्माना लगेगा। दो एकड़ या उससे अधिक किन्तु पांच एकड़ से कम भूमि वाले किसानों पर, प्रति घटना के लिए 10 हजार रुपये और पांच एकड़ से अधिक भूमि वाले किसानों पर प्रति घटना के लिए 30 हजार रुपये के पर्यावरणीय प्रतिकर का जुर्माना लगाया जाएगा।

सुभाष नगर आरडब्ल्यूए की बैठक: बंदरों के आतंक और जर्जर व्यवस्था पर जताया रोष

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

दिल्ली रोड स्थित डंग टावर में आरडब्ल्यूए सुभाष नगर की मासिक बैठक आयोजित की गई। व्यापार प्रमुख गुलशन डंग के कार्यालय पर हुई इस बैठक में कॉलोनी की जर्जर व्यवस्था और सुरक्षा संबंधी गंभीर मुद्दों पर चर्चा कर प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोलने की रणनीति तैयार की गई। बैठक में सदस्यों ने जोर देकर कहा कि कॉलोनी के पार्कों में सुबह-शाम स्वास्थ्य लाभ लेने आने वाले लोग कुत्तों और बंदरों के आतंक के कारण चोटिल हो रहे हैं। पार्कों में न केवल साफ-सफाई और शौचालयों का अभाव है, बल्कि वहां नशा करने वाले असामाजिक तत्वों का जमावड़ा भी रहता है। इसके लिए पुलिस कमिश्नर को अवगत करवाकर गश्त बढ़ाने की मांग की गई। साथ ही, पार्कों पर हुए अवैध कब्जों को तुरंत हटाने और जंगली घास की सफाई की मांग भी उठाई गई। बैठक में प्रधान सेवक प्रवीण सहगल और महासचिव कमल दुरेजा ने बताया कि खाली प्लॉटों में गंदगी के कारण बीमारियां फैलने का अंदेशा है। वहीं, कॉलोनी में वाहनों की तेज रफ्तार को देखते हुए ब्रेकर लगवाने और फुटपाथों की मरम्मत की आवश्यकता जताई गई। इस अवसर पर राजेंद्र भाटिया के जन्मदिन की बधाई देते हुए गुलशन डंग, देवेंद्र छाबड़ा और अन्य सदस्यों ने संकल्प लिया कि जल्द ही प्रशासनिक अधिकारियों से मिलकर इन समस्याओं का समाधान करवाया जाएगा।

बालाजी धाम में कीर्तन के साथ पहुंची 86वीं पैदल ध्वजा यात्रा

रोहतक। श्रीबालाजी धाम, गांव डोभ में रविवार को भक्ति और सेवा का अद्भुत संगम देखने को मिला। धाम के संस्थापक प्रधान पुरुषोत्तम दास बंसल के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में जहां 86वीं विशाल पैदल ध्वजा यात्रा पहुंची, वहीं भव्य संकीर्तन और विशाल भंडारे का आयोजन भी किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत श्रीदुर्गा भवन मंदिर, भिवानी स्टैंड से ज्योत प्रचंड कर पैदल ध्वजा यात्रा के साथ हुई। शनि देव मित्र मंडल और सैकड़ों भक्त हाथों में ध्वजा लिए 'जय श्री राम' के जयकारे लगाते हुए धाम पहुंचे। र मंदिर परिसर में गायक शंकर बनियानी ने बालाजी के भजनों से समां बांध दिया, जबकि रिंकू महादेव द्वारा प्रस्तुत मनमोहक झांकियों ने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। आध्यात्मिक आयोजन के साथ-साथ सामाजिक सरोकार भी बखूबी निभाया गया।

धाम पर निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया गया, जिसमें आंखों, दांतों और सामान्य रोगों की जांच कर मुफ्त दवाइयां व चश्मे वितरित किए गए। आज का कढ़ी-चावल का भंडारा मीनाक्षी चोपड़ा (डोभ) की ओर से लगाया गया। इस अवसर पर रमेश गुप्ता, रवि चिटकरा, राकेश गुप्ता, विनोद गुप्ता, पंडित नरेश कौशिक और सुनील शर्मा सहित भारी संख्या में भक्तजन उपस्थित रहे।

- सरकारी स्कूलों के मेधावी छात्रों को मिलेगी फ्री कोचिंग

मई के पहले सप्ताह में होगी सुपर-40 फेज-2 की शुरुआत

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग ने सरकारी स्कूलों के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के लिए सुपर-40 फेज-2 कार्यक्रम शुरू करने का फैसला किया है। यह पहल मई के पहले सप्ताह से शुरू होगी, जिसमें 11वीं कक्षा पास कर चुके छात्रों को नीट और आईआईटी-जेईई जैसी परीक्षाओं की निशुल्क कोचिंग दी जाएगी। उपायुक्त सचिन गुप्ता के मार्गदर्शन में यह कार्यक्रम राज्य सरकार की सुपर-100 योजना की तर्ज पर लागू किया जा रहा है। इससे पहले सुपर-40 फेज-1 के तहत छात्र मई में होने वाली नीट परीक्षा के लिए क्रैश कोर्स कर रहे हैं। जिला विज्ञान विशेषज्ञ समीर मान ने बताया कि इस योजना का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के छात्रों को महंगी कोचिंग के बिना डॉक्टर और इंजीनियर बनने का अवसर देना है। फेज-2 में चयनित 40 विद्यार्थियों को एक साल तक विषय विशेषज्ञों द्वारा गहन प्रशिक्षण दिया जाएगा। साथ ही उनकी प्रगति पर नजर रखने के लिए हर सप्ताह टेस्ट आयोजित किए जाएंगे, ताकि वे राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं के माहौल के अनुरूप खुद को तैयार कर सकें। यह कोचिंग हिसार रोड स्थित राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में मई के पहले सप्ताह से शुरू होगी। चयन प्रक्रिया के बाद 11वीं पास छात्रों का एक बैच बनाया जाएगा। वहीं, कार्यक्रम के फेज-3 में 10वीं कक्षा पास विद्यार्थियों के लिए जुलाई में एक और 40 छात्रों का बैच शुरू करने की योजना है। इस पहल से जिले के सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों को नई दिशा मिलेगी और वे राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन कर सकेंगे।

उपायुक्त के मार्गदर्शन में किया जा रहा लागू

उपायुक्त सचिन गुप्ता के मार्गदर्शन में कार्यक्रम को लागू किया जा रहा है जिससे जिले के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले छात्र भी मेडिकल और इंजीनियरिंग क्षेत्र में जाने के लिए कोचिंग प्राप्त कर सकेंगे और अपना करियर बना सकें। - **मनजीत मलिक**, जिला शिक्षा अधिकारी।

बाकरा हेड में मिला रोहतक के एसी मैकेनिक का शव

झज्जर। क्षेत्र के बाकरा हेड में पुलिस को एक व्यक्ति का शव बरामद हुआ है। मृतक की पहचान रोहतक की चावला कॉलोनी निवासी करीब 24 वर्षीय अनुराग पुत्र कन्हैया लाल के तौर पर हुई है। पोस्टमार्टम के दौरान नागरिक अस्पताल में उपस्थित मृतक के परिजनों ने बताया कि अनुराग बीती 24 अप्रैल को रोहतक से दोपहर करीब एक बजे लापता हुआ था। इस संबंध में उन्होंने 25 अप्रैल को उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट भी संबंधित थाना में दर्ज कराई गई थी। वह अविवाहित था और एसी मैकेनिक का काम करता था। मामले के जांच अधिकारी अनूप सिंह ने बताया कि सुबह करीब नौ बजे जब उन्हें नहर में शव मिला तो परिजनों को पहचान के लिए बुलाया गया।

मन की बात जन-जन को राष्ट्र निर्माण से जोड़ने का सबसे सशक्त माध्यम : डॉ. रंगा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

- जनगणना 2026 व तकनीक के विस्तार पर डाला प्रकाश

विधानसभा क्षेत्र के भाजपा के महाराजा अग्रसेन मंडल के मंडल अध्यक्ष मनीष शर्मा के कार्यालय पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम का आयोजन उत्साह और प्रेरणादायक वातावरण में किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में डॉ अशोक कुमार रंगा, जिला प्रभारी (सभी प्रकोष्ठ) विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मंडल के पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं, युवाओं तथा समाज के विभिन्न वर्गों से आए जागरूक नागरिकों की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही, जिससे यह आयोजन जनसहभागिता का एक सशक्त उदाहरण बन गया। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री के 'मन की बात' के 133वें संस्करण को सभी उपस्थितजनों ने एकाग्रता के साथ सुना। इस एपिसोड में देश के समक्ष उभरते विविध विषयों तकनीक का विस्तार, भारतीय बेटियों की अंतरराष्ट्रीय मंच पर बढ़ती प्रतिष्ठा, सांस्कृतिक एकता को सुदृढ़ करने वाले आयोजन, स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने की आवश्यकता तथा जनगणना 2026 पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। इन विषयों ने उपस्थित जनसमूह को न केवल प्रेरित किया, बल्कि उन्हें राष्ट्र के विकास में अपनी भूमिका के प्रति जागरूक भी किया। रंगा ने कहा कि 'मन की बात' देश के करोड़ों नागरिकों के बीच एक जीवंत संवाद का माध्यम बन चुका है।

ये रहे शामिल

कार्यक्रम में उपस्थित प्रमुख कार्यकर्ताओं में मंडल प्रभारी अशोक खुराना, हरिओम मित्तल भाली, पवन भाटिया, महामंत्री रिंकू कपूर, सुभाष जांगड़ा,भारत चावला (उपाध्यक्ष), सरोज हुड्डा (उपाध्यक्ष), संदीप सैंडी, अनिल कथूरिया, नीरज जांगडा, जिला मीडिया सह प्रमुख ललित भारद्वाज, पवन बंसल, राकेश दुआ, पंकज बहल, संदीप लोहट तथा नरेश कपूर विशेष रूप से शामिल रहे। सभी ने 'मन की बात' के संदेशों को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने और जनजागरण को मजबूत करने का संकल्प लिया।

महम। सम्मान समारोह में मंच पर मौजूद राज्यसभा सांसद कर्मवीर बौद्ध, विधायक बलराम दांगी व अन्य गणमान्य। फोटो: हरिभूमि

भाजपा संविधान के विपरित चलने वाली पार्टी : सांसद बौद्ध

महम। नवनिर्वाचित राज्यसभा सांसद कर्मवीर बौद्ध रविवार को महम पहुंचे। महम की रविदास धर्मशाला में उनका सम्मान किया गया। सम्मान समारोह के दौरान राज्य सभा सदस्य कर्मवीर बौद्ध ने कहा कि महम का मैणी महाराजपुर गांव उनकी जन्म स्थली है। राज्य सभा सदस्य निर्वाचित होने के बाद आज महम के लोगों ने मुझे बहुत मान व सम्मान दिया है। इस बात की उन्हें बहुत खुशी हुई है। कर्मवीर बौद्ध ने कहा कि देश में दो प्रकार की विचारधारा के लोग हैं। कांग्रेस पार्टी से राहुल गांधी हैं जो संविधान के साथ चलने वाले विचार धारा के हैं और भाजपा सरकार संविधान की विचारधारा के विपरित चलने वाली है। जिस प्रकार राज्य सभा के चुनाव में भाजपा ने धन का प्रलोभन दिया व सीबीआई, ईडी से डराने का काम किया। वर्ष 2023 में लोकसभा में महिलाओं को आरक्षण देने वाला बिल पास हुआ था। उस बिल को भाजपा सरकार लागू क्यों नहीं करती। भाजपा ने निकाय चुनाव में महिलाओं को टिकट क्यों नहीं दिए। भाजपा महिलाओं के नाम पर जनता को गुमराह करने का काम कर रही है।

आग में जिंदा जली सात वर्षीय बच्ची, 13 झुग्गियां भी खाक

झज्जर। क्षेत्र के गांव सौंधी के नजदीक खेतों में जलाई गई पराली ने एक सात वर्षीय मासूम की जिदंगी लील ली। खेतों में लगी आग जब सेक्टर की झुग्गियों तक पहुंची तो इस भयंकर आग में प्रवासी श्रमिकों की न केवल 13 झुग्गियां जलकर राख हो गई बल्कि उसमें मौजूद एक सात वर्षीय बच्ची की झुलसकर मौत हो गई। मृतका की पहचान अमरोहा जिला यूपी के शीतला सराय गांव निवासी सलोनी पुत्री बुद्धसेन के तौर पर हुई है। यह हादसा रविवार दोपहर करीब सवा तीन बजे उस समय हुआ जब सभी प्रवासी श्रमिक अपने काम में लगे थे और सलोनी झुग्गी में अकेली थी। उसी दौरान खेतों में लगी झुग्गियों तक पहुंच गई और यह हादसा हो गया। इसके बाद फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई। मौके पर पहुंचे फायर ब्रिगेड कर्मचारियों ने बड़ी मशक्कत के बाद जब तक आग पर काबू पाया तब तक 13 झुग्गियां जलकर राख चुकी थी और उसमें मासूम सलोनी भी आग की भेंट चढ़ गई।

रोहतक। शोक प्रकट करते नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा, विधायक भारत भूषण बतरा व पूर्व गृह राज्यमंत्री सुभाष बतरा।

दिवंगत जयप्रकाश शर्मा को भेंट की श्रद्धांजलि

रोहतक। नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा सहित अनेकों विधायकों व नेताओं, अधिकारियों ने तारीफ शर्मा पत्रकार के निवास पर पहुंच कर उनके छोटे भाई जयप्रकाश शर्मा सेवानिवृत्त लोकसभा सभा अधिकारी के निधन पर शोक प्रकट किया व अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा, डॉ रघबीर सिंह कादियान, विधायक और पूर्व स्पीकर हरियाणा विधानसभा,भारत भूषण बतरा विधायक रोहतक पूर्व गृह राज्यमंत्री सुभाष बतरा, चक्रवर्ती शर्मा, सुर्यदेव दहिया, पूर्व केंद्रीय मंत्री चांद राम के पुत्र अजय कुमार, सिद्धार्थ बत्रा, विकास परमार, संजय हुड्डा, जेएस हुड्डा एसपी, आरपी भारद्वाज सेवानिवृत्त आईएएस, सतबीर गोतम इनेलो नेता जुलाना, एस एन कौशिक , श्रीभगवान, महेन्द्र भारद्वाज, रोमी ग्रेवाल, अशोक कौशिक आदि ने पहुंच कर शोक प्रकट किया व अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की ।

नपा चुनाव में भाजपा ने हर वार्ड में प्रभारी नियुक्त कर संभाला मोर्चा : शर्मा

हरिभूमि न्यूज ⏭ सांपला

सांपला। सांपला चुनावी कार्यालय में आयोजित बैठक में मौजूद भाजपा नेता।

नगरपालिका चुनाव को लेकर भाजपा ने अपनी तैयारियों को तेज करते हुए सभी वार्डों में प्रभारी नियुक्त कर चुनावी मोर्चा संभाल लिया है। सांपला स्थित चुनावी कार्यालय में आयोजित बैठक में चेयरमैन प्रत्याशी, पार्षद प्रत्याशी और पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने भाग लिया। साथ ही प्रत्येक वार्ड में चुनावी कार्यालय खोलने का भी निर्णय लिया गया, ताकि बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत किया जा सके। बैठक की अध्यक्षता चुनाव प्रभारी एवं कैबिनेट मंत्री अरविंद शर्मा ने की। उन्होंने कार्यकर्ताओं को निर्देश दिए कि कोई भी मतदाता संपर्क से छूटना नहीं चाहिए और हर स्तर पर सक्रियता बनाए रखी जाए। उन्होंने कहा कि चुनाव जीतने के लिए जमीनी पकड़ और मजबूत समन्वय बेहद जरूरी है। बैठक में वार्डवार जिम्मेदारियां तय करते हुए अनुभवी नेताओं को कार्यकर्ताओं के साथ जोड़ा गया। जातीय और सामाजिक समीकरणों को ध्यान में रखते हुए प्रभारी नियुक्त किए गए हैं, ताकि अधिक से अधिक मतदाताओं तक प्रभावी पहुंच बनाई जा सके।

पहल गरीब के घर में आग लगी तो आर्थिक मदद करने पहुंचे समाजसेवी व पूर्व विधायक

खेत में गेहूं जली थी, किसान के पास नोटों की गड्डी लेकर पहुंचे समाजसेवी

महम ने दिखाई इंसानियत की असली तस्वीर लोगों ने पेश की सामाजिक जिम्मेदारी की मिशाल

हरिभूमि न्यूज ⏭ महम

मुसीबत में काम आना मानवता का सबसे बड़ा धर्म है और यह हमारी सामाजिक जिम्मेदारी भी है। दूसरों के दुख में शामिल होना और उनकी मदद करना इंसान का पहला कर्त्तव्य है। जब हम किसी के दुख को बांटते हैं तो सामने वाले की तकलीफ कम होती है। हम सभी एक सामाजिक ढांचे का हिस्सा हैं। यदि आज हम किसी की मदद करेंगे तो कल मुसीबत पड़ने पर दूसरे लोग भी हमारी मदद के लिए आगे आएंगे। ऐसा करने से रिश्ते भी मजबूत होते हैं। मुसीबत में किसी के काम आने पर दूसरे को सहारा मिलता है। इससे समाज में आपसी प्रेम बढ़ता है। रविवार को महम में ऐसे ही दूसरों के मददगार बनने केक दो मामले देखने को मिले।

महम। घर में आग लगने पर परिवार के मुखिया रामकुमार को आर्थिक मदद देते पूर्व विधायक बलराज कुंडू तथा पीड़ित किसान पालाराम को नकद सहायता देते इलाके के समाजसेवी।

आर्थिक मदद देने के लिए किसान के घर पहुंचे कई

कुछ दिन पूर्व निंदाना गांव के रकबे में आग लग गई थी। जिस वजह से कई किसानों की गेहूं की फसल आग की चपेट में आकर जल गई थी। सबसे अधिक नुकसान किसान पालाराम को हुआ था। उसकी छह एकड़ गेहूं की फसल जल गई थी। पूर्व विधायक बलराज कुंडू ने उसी दिन किसान को खेत में पहुंचकर 1 लाख 20 हजार रुपए की आर्थिक मदद की थी। रविवार को भी कई समाजसेवी उसके घर पहुंचे और आर्थिक मदद की। भैणी सुरजन गांव निवासी बिजेंद्र सिवाच और निंदाना गांव निवासी गोपी नहरा ने 50-50 हजार रुपए की आर्थिक मदद की।

पैसा बहुत लोगों के पास, लेकिन मुसीबत में मदद करने वाले कम

धन दौलत तो बहुत लोगों के पास है। लेकिन मुसीबत आने पर लोगों की मदद करने वाले कम लोग ही होते हैं। परिवार में कमाने वाला व्यक्ति चला जाए और गरीब का मकान जल जाए व किसान की फसल आग की भेंट चढ़ जाए, तो परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ता है। ऐसे में यदि आर्थिक रूप से सुदृढ़ लोग यदि मदद लेकर गरीब की चौखट पर पहुंच जाएं, तो पीड़ित परिवार का आधा दुख कम हो जाता है। इसलिए हमें हमारे पूर्वजों द्वारा शुरू की गई इस परंपरा को आगे बढाना चाहिए। ताकि सभी लोग सुख से जीवन यापन कर सकें।

सामान जलकर राख

रविवार सुबह साढ़े तीन बजे कस्बा महम के वार्ड 11 में रामकुमार पुत्र दीवान चंद के मकान में आग लग गई। उस समय रामकुमार परिवार सहित रिश्तेदारी में आयोजित एक शादी समारोह में भाग लेने के लिए गया हुआ था। पड़ोसियों ने देखा कि रामकुमार के घर में से आग की लपटें निकल रही हैं। उन्होंने पड़ोस से मकान की चाबी लेकर ताला खोला, रसोई में रखे गैस सिलेंडरों को बाहर निकाला। फायर ब्रिगेड को सूचना दी। पुलिस को बुलाया। सभी ने मिलकर आग पर काबू पाया। लेकिन तब तक घर में रखे दो लाख रुपए और घर का सारा सामान जलकर राख हो गया। पड़ोसियों ने इसकी सूचना रामकुमार को फोन पर दी। जब वह परिवार सहित महम पहुंचा तो उसने देखा कि उसकी जीवनभर की कमाई आग की भेंट चढ चुकी थी।

कैंटर चालक ने बाइक को टक्कर मारी महिला की मौत, पति और बेटी घायल

- रोहतक के खोखरा कोट से मुरथल में जोत लगाने जा रहा था परिवार

हरिभूमि न्यूज ⏭ खरखौदा

रोहतक के खोखरा कोट से सोनीपत के मुरथल में जोत लगाने गए एक परिवार के साथ लौटते समय दर्दनाक हादसा हो गया। अज्ञात कैंटर की टक्कर से बाइक सवार महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसका पति और नाबालिग बेटी घायल हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार, रोशनलाल अपनी पत्नी कविता और करीब 17 वर्षीय बेटी दुर्गा के साथ मुरथल में धार्मिक मान्यता के तहत जोत लगाने गए थे। जोत लगाकर तीनों बाइक से वापस लौट रहे थे। इसी दौरान खरखौदा-रोहतक मार्ग पर एक अज्ञात कैंटर ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सड़क पर गिर गई और पीछे बैठी कविता को गंभीर चोटें आईं, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में बाइक चला रहे रोशनलाल और उनकी बेटी दुर्गा भी घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। रोशनलाल ने बताया कि कैंटर चालक ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए उनकी बाइक को टक्कर मारी, जिससे यह हादसा हुआ। मृतका कविता गांव रोहणा की रहने वाली थी, जिसकी शादी रोहतक के खोखरा कोट में हुई थी। थाना प्रभारी पवन कुमार ने बताया कि आरोपी चालक की तलाश के लिए कार्रवाई शुरू कर दी गई है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है।

हजारों लोगों और यात्रियों के लिए राहत की खबर

12 करोड़ में डाली जाएगी पाइप लाइन सोनीपत रोड पर रजबाहा होगा खत्म

540
दिन का समय दिया एजेंसी को कार्य पूरा करने के लिए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

अलग खबर

सीधे पंपिंग से सुधरेगी पेयजल आपूर्ति

नई व्यवस्था के लागू होने के बाद जेएलएन (जवाहरलाल नेहरू नहर) और बीएसबी (भालौठ सब ब्रांच) नहर से सीधे पंपिंग के माध्यम से पानी को जलघर तक पहुंचाया जाएगा। अभी तक रजबाहे के खुले रास्ते से पानी आने के कारण इसमें गंदगी और कचरा गिरने की समस्या भी रहती थी, लेकिन अब बंद पाइपलाइन के माध्यम से पानी की शुद्धता भी बनी रहेगी। पंपिंग सिस्टम से पानी की गति और मात्रा को नियंत्रित करना आसान होगा, जिससे जलघर हमेशा लबालब रहेंगे और शहर के संबंधित इलाकों में पेयजल का दबाव भी बेहतर होगा।

12 मई को खुलेगा टेंडर

12 मई को इसका टेंडर खोला जाएगा। इसके लिए पाइपलाइन भी खरीदी जानी है, जिसकी प्रक्रिया जल्द शुरू होगी। यह कार्य पूरा होने के बाद लोगों को काफी राहत मिलेगी।

-**संदीप कुमार**, कार्यकारी अभियंता, जनस्वास्थ्य व अभियांत्रिकी विभाग

4.5
किलोमीटर लंबी लाइन जमीन के नीचे बिछाई जाएगी

पाइप दबने के बाद सड़क भी हो सकती है चौड़ी

यहां पाइपलाइन दबाने के बाद सड़क का चौडीकरण भी किया जा सकता है। क्योंकि पाइपलाइन दबने के बाद वहां का एरिया रसमतल भीं किया जा सकता है। वह जगह एक तरह से फ्री हो जाएगी। उसका आसानी से उपयोग भी किया जा सकेगा। वहां पर अलग से पैदल आवागमन के लिए पैदल पथ मार्ग भी तैयार किया जा सकता है। जो लोगों को काफी राहत देगा।

सोनीपत रोड पर रहने वाले हजारों लोगों और यात्रियों के लिए राहत की खबर है। सालों से परेशानी का सबब बने सोनीपत रोड रजबहा के अस्तित्व को समाप्त कर अब पानी की सप्लाई को पूरी तरह से आधुनिक और अंडरग्राउंड सिस्टम में बदलने की तैयारी कर ली गई है। प्रशासन की इस योजना के तहत अब रजबहे के खुले पानी के बजाय डक्टाइल आयरन की मजबूत पाइपलाइन के जरिए सीधे जलघर तक पानी पहुंचाया जाएगा। इस महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट के धरातल पर उतरने से न केवल सड़क पर होने वाले जलभराव से निजात मिलेगी, बल्कि पेयजल की बर्बादी भी रुकेगी।

शहर के विकास के साथ-साथ सोनीपत रोड एक व्यस्ततम मार्ग बन चुका है, लेकिन यहां से गुजरने वाला रजबहा अक्सर प्रशासन और जनता के लिए सिरदर्द बना रहता था। रजबाहे की क्षमता कम होने और पीछे से पानी का बहाव तेज होने के कारण यह अक्सर ओवरफ्लो हो जाता था। इसका नतीजा यह होता था कि सारा पानी सोनीपत रोड की मुख्य सड़क पर जमा हो जाता था, जिससे यातायात पूरी तरह बाधित हो जाता था और स्थानीय दुकानदारों व राहगीरों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। सबसे बड़ी विडंबना यह थी कि जिस पानी को जलघर तक पहुंचना चाहिए था, उसका बड़ा हिस्सा रास्ते में ही बर्बाद हो जाता था, जिससे जलघर में पानी की आवक कम रहती थी। पानी की आवक कम रहने के कारण कई बार राशनिंग भी करनी पड़ती है। इस समस्या के स्थाई समाधान के लिए संबंधित विभाग ने करीब 12 करोड़ रुपये की लागत से डक्टाइल आयरन पाइप खरीदने की योजना बनाई है।

यह पाइपलाइन लगभग 4.5 किलोमीटर लंबी होगी, जिसे पूरी तरह से जमीन के नीचे (अंडरग्राउंड) बिछाया जाएगा। डक्टाइल आयरन पाइप अपनी मजबूती और लंबी उम्र के लिए जाने जाते हैं, जिससे भविष्य में लीकेज की संभावना भी बेहद कम रहेगी। इस प्रोजेक्ट के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी गई है और आगामी 11 मई को टेंडर खोला जाएगा। टेंडर आवंटित होने के बाद संबंधित एजेंसी को इस पूरे सुधार कार्य को पूरा करने के लिए 540 दिनों का समय दिया गया है।

रोहतक। योग अभ्यास करते ग्रामीण और बच्चे। फोटो : हरिभूमि

सामुदायिक योग शिविर में स्वास्थ्य और चरित्र निर्माण पर दिया जोर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

ग्रामीण अंचल में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता जगाने और युवाओं के चरित्र निर्माण के उद्देश्य से गांव रिटौली में विशेष सामुदायिक योग एवं चरित्र निर्माण शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ वैदिक परंपरा के अनुसार पावन वैदिक हवन के साथ हुआ।

इस शिविर में विशेष रूप से आधुनिक जीवनशैली से जुड़ी समस्याओं जैसे पीठ दर्द, मानसिक तनाव और अनिद्रा पर ध्यान केंद्रित किया गया। योग कोच अरुण आर्य ने उपस्थित ग्रामीणों को भुजंगासन, मर्कटासन, बालासन और योगनिद्रा का गहन अभ्यास कराया। उन्होंने बताया कि आज के डिजिटल युग में बढ़ती मानसिक थकान को दूर करने के लिए योग अचूक औषधि है। सुनील डीपी ने कहा कि योग न केवल शरीर को स्वस्थ रखता है, बल्कि आत्मविश्वास और मानसिक स्थिरता भी प्रदान करता है। शिविर के समापन पर आजाद जी द्वारा प्रतिभागियों को पोषण के प्रतीक स्वरूप केले वितरित किए गए। इस अवसर पर माने पहलवान, बीजे मास्टर, अमित कबड्डी कोच, सचिन साइकिलिंग कोच और राष्ट्रीय योग खिलाड़ी मौजूद रहे।

बार काउंसिल चुनाव : पूर्व चेयरमैन डॉ. विजेन्द्र अहलावत को सदस्य पद के लिए प्रथम रैंक मिला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

बार काउंसिल चुनाव में पूर्व चेयरमैन डॉ. विजेन्द्र सिंह अहलावत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सदस्य पद के लिए निर्धारित कोटा (3317 वोटो) प्रथम रैंक के साथ हासिल कर लिया। उनके इस प्रदर्शन को अधिवक्ता समुदाय में महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, रोहतक बार से अंजलि सहरावत के एलिमिनेशन के बाद डॉ. अहलावत को 532 वोट प्राप्त हुए। जो कि रोहतक बार से कुल 1053 वोट उन्हें प्राप्त हुई जो एक ऐतिहासिक रिकॉर्ड बना दिया है और डॉ अहलावत ने लगातार चौथी बार जीत दर्ज की है व दो बार पंजाब एंड हरियाणा बार कौंसिल के चेयरमैन रहकर रोहतक बार का नाम रोशन किया है। डॉ. अहलावत की यह जीत उनके अनुभव, कुशल नेतृत्व क्षमता और अधिवक्ताओं के बीच मजबूत पकड़ का परिणाम है।

रोहतक। पूर्व चेयरमैन डॉ. विजेन्द्र सिंह अहलावत का स्वागत करते रोहतक बार से प्रधान दीपक हुड्डा, महासचिव राजकरण पंघाल, अधिवक्ता सुरेंद्र लौरा, संदीप हुड्डा। फोटो : हरिभूमि

- रोहतक बार से अंजलि सहरावत के एलिमिनेशन के बाद डॉ. अहलावत को 532 वोट मिले
- डॉ. अहलावत ने लगातार चौथी बार जीत दर्ज की है

बार काउंसिल के इस चुनाव में उनका प्रथम रैंक से कोटा पूरा करना उनके प्रभावशाली जनसमर्थन को दर्शाता है।अधिवक्ता समुदाय में उनके समर्थकों ने इस उपलब्धि पर खुशी जताई है और उम्मीद व्यक्त की है कि डॉ. अहलावत भविष्य में भी अधिवक्ताओं के हितों के लिए प्रभावी भूमिका निभाएंगे।

इन्होंने दी शुभकामनाएं: जीत के इस सुनहरे अवसर पर रोहतक बार से प्रधान दीपक हुड्डा, महासचिव राजकरण पंघाल, अधिवक्ता सुरेंद्र लौरा, संदीप हुड्डा, रेणु शास्त्री, निहारिका अहलावत, देव अहलावत, वरुण कौशिक, कुशल कुंडू आदि ने अधिवक्ताओं ने चंडीगढ़ पहुंच कर पुष्पगुच्छ देकर डॉ अहलावत को शुभकामनाए दी।

गढ़ी बोहर प्याऊ वाली मुख्य सड़क बनी मुसीबत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

विकास के बड़े-बड़े दावों के बीच गढ़ी बोहर गांव के ग्रामीणों को आज भी बुनियादी सुविधाओं के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। गांव के मुख्य संपर्क मार्ग यानी 'प्याऊ वाली सड़क' की हालत इस कदर खस्ता हो चुकी है कि यहां से पैदल गुजरना भी दूभर हो गया है। सड़क निर्माण में हो रही देरी और प्रशासन की अनदेखी के चलते अब ग्रामीणों का धैर्य जवाब देने लगा है। मुख्य रास्ता होने के कारण दिन भर यहां वाहनों का जमावड़ा रहता है, लेकिन सड़क पर मौजूद बड़े-बड़े गड्ढे किसी बड़े हादसे को न्योता दे रहे हैं।

गढ़ी बोहर गांव में प्रवेश करने के लिए प्याऊ वाली सड़क सबसे महत्वपूर्ण मार्ग मानी जाती है। गांव के अधिकांश लोग अपनी दैनिक जरूरतों, दफ्तर जाने और बच्चों को स्कूल छोड़ने के लिए इसी रास्ते का उपयोग करते हैं। पिछले काफी समय से इस सड़क की सुध नहीं ली गई है, जिसके कारण कोलतार की परत पूरी तरह उखड़ चुकी है और अब सड़क पर केवल पत्थर और गहरे गड्ढे ही नजर आते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि हल्की सी बारिश होते ही यह सड़क तालाब का रूप ले लेती है, जिससे गड्ढों की गहराई का अंदाजा नहीं लग पाता और दोपहिया वाहन चालक अक्सर गिरकर चोटिल हो जाते हैं। सड़क की जर्जर हालत का सीधा असर ग्रामीणों की जेब पर पड़ रहा है। बदहाल रास्ते से गुजरने के कारण गाड़ियों के सस्पेंशन, टायर और अन्य कलपुर्जे समय से पहले दम तोड़ रहे हैं। स्थानीय निवासियों का कहना है कि उनकी गाड़ियों का मेंटेनेंस खर्च पहले की तुलना में कई गुना बढ़ गया है। जो गाड़ियां महीनों तक बिना किसी खराबी के चलती थीं, वे अब हर दूसरे हफ्ते गैरेज में खड़ी रहती हैं। खराब सड़क न केवल समय की बर्बादी कर रही है।

मिलता है सिर्फ आश्वासन

प्रशासन के खिलाफ बढ़ता आक्रोश गांव के बुजुर्गों और युवाओं का कहना है कि इस समस्या को लेकर कई बार संबंधित अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को अवगत कराया जा चुका है, लेकिन अभी तक आश्वासन के सिवाय कुछ हासिल नहीं हुआ है। लोगों में इस बात को लेकर गहरा रोष है कि टैक्स भरने के बावजूद उन्हें एक सुरक्षित सड़क तक मयस्सर नहीं हो रही है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही प्याऊ वाली सड़क का निर्माण कार्य शुरू नहीं किया गया, तो वे बड़े स्तर पर विरोध प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे।

लोक गीतों से नारी शक्ति वंदन अधिनियम का किया गुणगान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग द्वारा जिले में नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर जागरूकतां का अनोखा अभियान चलाया जा रहा है, जिसमें लोक संस्कृति की मधुर धुनों के साथ सामाजिक संदेशों को जन-जन तक पहुंचाया जा रहा है। उपायुक्त सचिन गुप्ता ने बताया कि इस अभियान के तहत अब तक 40 गांवों और वार्डों में सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से नागरिकों और विद्यार्थियों को जागरूक किया जा चुका है। यह अभियान 28 अप्रैल तक जारी रहेगा। इस पहल की खास बात यह है कि पारंपरिक भजन मंडलियों और विभागीय कलाकारों के जरिए लोक गीतों में पिरोकर नारी सशक्तिकरण का संदेश दिया जा रहा है। उपायुक्त ने बताया कि विभाग समय-समय पर जनकल्याणकारी योजनाओं और सामाजिक मुद्दों को लेकर ऐसे प्रचार अभियान चलाता है, ताकि आम नागरिक सरल भाषा में योजनाओं की जानकारी समझ सकें। अब तक यह सांस्कृतिक कारवां अजायब, निंगाना, रूडक़ी, चिड़ी, भराण, आंवल, पोलंगी, नांदल, खरकड़ा, गढ़ी पटवापुर, मुंगाण, इंद्रगढ़, मोखरा, सांगाहेड़ा, किलोई, घरौंठी, मदीना, कटेसरा, लाढौत, भगवतीपुर, बहलबा, किसरैटी, पिलाना, काहनी, कटवाड़ा, खरक बैंसी, बनियानी, रिठाल, खिड़वाली, निंदाना, लाहली, धामड़, सांघी सहित शहर के कई वार्डों तक पहुंच चुका है। यह जानकारी न सिर्फ मनोरंजन का माध्यम बन रही है, बल्कि लोगों को जागरूक भी कर रही है।

एशियन चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता ललित सहरावत का खेड़ी साध में जोरदार स्वागत किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

एशियन चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता ललित सहरावत का खेड़ी साध में जोरदार अभिनंदन किया। स्वागत समारोह की शुरुआत आईएमटी चौक से हुई, जहाँ भारी संख्या में युवाओं और ग्रामीणों ने ललित का स्वागत किया। यहाँ से ललित सहरावत को खुले वाहन में बिठाकर शहीद मेजर सज्जन सिंह स्टेडियम तक एक विशाल जुलूस निकाला गया। ढोल-नगाड़ों की थाप और भारत माता की जय के नारों से पूरा इलाका गूंज उठा।

समारोह में मुख्य रूप से भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष सतीश नांदल, मेयर रामअवतार वाल्मीकि और भाजपा प्रदेश सचिव रेणु डाबला ने शिरकत की। सतीश नांदल ने कहा कि ललित ने पूरे देश का नाम रोशन किया है। एशियन चैंपियनशिप में रजत पदक जीतना उनकी कड़ी मेहनत और अटूट दृढ़ संकल्प का परिणाम है। हरियाणा के खिलाड़ी आज वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बना रहे हैं। रामअवतार वाल्मीकि ने कहा कि एक खिलाड़ी जब अंतरराष्ट्रीय मंच पर तिरंगा लहराता है, तो वह आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बन जाता है। इस अवसर पर भाजपा जिला सचिव महताब सिंह, संतू पहलवान, कोच कुलदीप, पवन शास्त्री, उत्तम नम्बरदार, मास्टर जोगिंद्र, मास्टर खजान, राजेश सिंधु, राकेश आर्य और वर्ल्ड चैंपियन पहलवान विजय भी मौजूद रहे।

रोहतक। ललित का स्वागत करते भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष सतीश नांदल, मेयर रामअवतार वाल्मीकि और ग्रामीण। फोटो : हरिभूमि

ताऊ इंदर को दिया श्रेय

मास्टर जोगिंद्र ने बताया कि जब ललित छोटा था तब पिता रामकर्ण और मां सुनीता को देहांत हो गया था। उसके बाद से ललित का लालन पालन मास्टर जोगिंद्र रहे हैं। ललित अपनी सफलता का एक बड़ा श्रेय ताऊ इंदर सिंह सहरावत, ईशवर सहरावत, मास्टर जोगिंद्र और साथी वर्ल्ड चैंपियन विजय गहलावत को देते हैं। इन सभी ने मेरे जीवन के सबसे बुरे दौर में, खेल और मानसिक मजबूती में जो मदद की, उसी की बदौलत आज मैं इस मुकाम पर पहुँच सका हूँ। उन्होंने बताया कि अबतक 23 नेशनल प्रतियोगिता में पदक जीते हैं। 2023 में एशियन प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीता। 2026 में वर्ल्ड रैंकिंग प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीता। सीनियर वर्ल्ड रैंकिंग सीरीज में भाग लिया।

रोहतक में मेंटल हेल्थ हेल्पलाइन शुरू, तनाव से जूझ रहे लोगों को मिलेगा त्वरित परामर्श: उपायुक्त

रोहतक। बढ़ते तनाव और मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं को देखते हुए जिला प्रशासन ने एक नई मेंटल हेल्थ हेल्पलाइन शुरू की है। उपायुक्त सचिन गुप्ता के अनुसार यह हेल्पलाइन सिविल अस्पताल स्थित मनोरोग एवं नशा मुक्ति केंद्र में संचालित हो रही है। नागरिक सोमवार से शनिवार सुबह 9 बजे से शाम 3 बजे तक 8295474838 नंबर पर संपर्क कर सकते हैं, जहां विशेषज्ञ मनोचिकित्सक और प्रशिक्षित काउंसलर तुरंत परामर्श दे रहे हैं। इसके अलावा केंद्र सरकार की 14416 टेलीमानस हेल्पलाइन 24 घंटे उपलब्ध है।उपायुक्त ने बताया कि बदलती जीवनशैली, कार्यस्थल का दबाव, पारिवारिक जिम्मेदारियां और सोशल मीडिया के कारण तनाव, चिंता, अनिद्रा और अवसाद जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं। समय रहते इलाज न मिलने पर ये गंभीर बीमारियों का कारण बन सकती हैं। उन्होंने लोगों से अपील की कि मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता दें और जरूरत पड़ने पर बिना झिझक सहायता लें। विशेषज्ञों ने योग, व्यायाम, संतुलित आहार और पर्याप्त नींद को जरूरी बताया।

कोटा, चंडीगढ़, दिल्ली के बाद अब रोहतक में भी स्पेशल कोचिंग
IIT-JEE | NEET | NDA
6th to 12th Class & Board
ADMISSION OPEN
Get Direct Scholarship For JEE/NEET Courses Based On 10th CBSE Board 2026 Result
DIRECT SCHOLARSHIP

PERCENTAGE	SCHOLARSHIP
Above 95%	100%
85% - 94%	95%
70% - 84%	80%

1 WEEK FREE TRIAL CLASS BEFORE ADMISSION
Day Boarding Classes for 6th to 12th
KOTA CLASSES
144-L Model Town Near CR Polytechnic College, Rohtak M. 97285-44433

फायर कर्मचारियों की हड़ताल जारी, अनदेखी का आरोप

अग्निशमन कर्मी आज से करेंगे भूख हड़ताल

धरने पर यह रहे मौजूद

इस मौके पर अरुण, राजेंद्र सिंह, नरेंद्र, जयवीर, सतबीर, रविंदर और विनोद सहित सैकड़ों कर्मचारी मौजूद रहे। सभी ने एक स्वर में संकल्प लिया कि जब तक सरकार लिखित में उनकी मांगों को स्वीकार नहीं करती और शहीद परिवारों को न्याय नहीं मिलता, तब तक उनका यह संघर्ष और क्रमिक भूख हड़ताल अनवरत जारी रहेगी। प्रशासन के लिए आने वाले दिन चुनौतीपूर्ण हो सकते हैं क्योंकि दमकल सेवाओं पर इस हड़ताल का सीधा असर पड़ने की संभावना है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

अपनी जान जोखिम में डालकर दूसरों की रक्षा करने वाले अग्निशमन कर्मचारियों ने अब सरकार के खिलाफ आर-पार की लड़ाई का बिगुल फूंक दिया है। पिछले 19 दिनों से मानसरोवर पार्क स्थित मुख्य दमकल केंद्र पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे इन कर्मचारियों का धैर्य अब जवाब देने लगा है।

रविवार को यूनियन की बैठक में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि सरकार की हठधर्मी और वादाखिलाफी के विरोध में अब आंदोलन को और अधिक उग्र बनाया जाएगा। इसी कड़ी में 27 अप्रैल से प्रदेश के सभी मुख्य दमकल केंद्रों पर कर्मचारी सामूहिक रूप से क्रमिक भूख हड़ताल पर बैठेंगे। दमकल विभाग के कर्मचारियों में इस बात को लेकर गहरा मलाल है कि ड्यूटी के दौरान प्राणों की आहुति देने वाले उनके साथियों को वह सम्मान नहीं मिल रहा जिसके वे हकदार हैं। जिला प्रधान सोनू हुड्डा ने कहा कि फरीदाबाद में अग्नि त्रासदी के दौरान वीरता से लड़ते हुए जान गंवाने वाले भवीचंद शर्मा और रणवीर सिंह के बलिदान को सरकार नजरअंदाज कर रही है। यूनियन की मांग है कि इन दोनों जांबाज कर्मचारियों को 'शहीद' का दर्जा दिया जाए और उनके परिवारों के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए आश्रितों को एक-एक करोड़ रुपये का मुआवजा और परिवार के योग्य सदस्य को सरकारी नौकरी प्रदान की जाए।

ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी भी विवादों के घेरे में

आंदोलन का एक मुख्य केंद्र बिंदु कच्चे कर्मचारियों का शोषण भी है। यूनियन के नेताओं का कहना है कि वर्षों से दमकल विभाग में अपनी सेवाएं दे रहे कच्चे कर्मचारियों को अभी तक पक्का नहीं किया गया है। उनकी मांग है कि इन सभी अनुभवी कर्मचारियों को तुरंत 'फायर ऑपरेटर' के पदों पर समायोजित किया जाए ताकि उनका भविष्य सुरक्षित हो सके। रेगुलर कर्मचारियों के लिए लागू की गई ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी भी विवादों के घेरे में है। कर्मचारियों का कहना है कि दमकल विभाग एक आपातकालीन सेवा है, इसे सामान्य विभागों की तरह ट्रांसफर पॉलिसी में झोंकना गलत है।

एचडी के छात्रों ने 'चौथी नेशनल फिटनेस राइड चैंपियनशिप' में लहराया परचम

रोहतक। अकबरपुर एचडी पब्लिक स्कूल के होनहार खिलाड़ियों ने अपनी खेल प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए 'चौथी नेशनल फिटनेस राइड चैंपियनशिप 2026' में शानदार प्रदर्शन किया और स्कूल का नाम रोशन किया है। इस प्रतियोगिता में कक्षा 9वीं के मास्टर अर्जुन ने दूसरा स्थान और मास्टर प्रियांशु ने तीसरा स्थान हासिल किया। वहीं, कक्षा 11वीं के मास्टर सनी ने अपनी श्रेणी में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए दूसरा स्थान प्राप्त किया। इन सभी खिलाड़ियों ने अपनी जीत का श्रेय पेशेवर स्केटिंग कोच ललित प्रजापति के कुशल मार्गदर्शन और कड़ी मेहनत को दिया है। इस शानदार उपलब्धि पर स्कूल के डायरेक्टर सुरेंद्र सिंह फौगाट, अकादमिक डायरेक्टर कृष्णा फौगाट और प्रधानाचार्य दुलाल देब ने सभी विजेता छात्रों को बधाई दी। डायरेक्टर सुरेंद्र सिंह फौगाट ने खुशी जाहिर करते हुए कहा, हमारे छात्रों ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाकर यह साबित कर दिया है कि अनुशासन और सही मार्गदर्शन से कोई भी मुकाम हासिल किया जा सकता है। हम बच्चों के सर्वांगीण विकास और उन्हें खेलों में बेहतर मंच प्रदान करने के लिए सदैव प्रतिबद्ध हैं। स्कूल प्रबंधक ने भविष्य के लिए भी सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं।

पार्षदों का दर्द : हाउस की मीटिंग को चार माह बीते, एजेंडों पर क्या कार्रवाई हुई नहीं बता रहे अफसर

हमने चुनाव लड़ना है अफसरों को नहीं हमारे वार्ड में क्या विकास हुआ बताएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

चार महीने पहले पास हुए 300 विकास एजेंडे अब फाइलों में धूल खा रहे हैं, और शहर के पार्षद निगम दफ्तरों के चक्कर काटने को मजबूर हैं। सड़कों की मरम्मत, सीवर लाइन, पानी निकासी और स्ट्रीट लाइट जैसे बुनियादी काम आज भी अधर में लटके हैं। पार्षदों का साफ कहना है कि चुनाव हमने लड़ना है, अफसरों के सामने नहीं। जनता हमसे जवाब मांग रही है। हालात ऐसे हैं कि जवाब उन्हें ही देना पड़ रहा है, जबकि कार्रवाई का कहीं अता-पता नहीं। वार्डों में बढ़ती समस्याओं से लोग नाराज हैं और पार्षद बेबस। निगम प्रशासन 'प्रक्रिया जारी' का रटा-रटाया जवाब दे रहा है, लेकिन जमीन पर विकास नदारद है। सवाल सीधा है। जब फैसले हो चुके, तो काम कब शुरू होगा? 19 दिसम्बर 2025 को हुई हाउस की मीटिंग में शहर के विकास से जुड़े करीब 300 एजेंडे पास किए गए थे। लेकिन अब तक कोई अपडेट नहीं मिल रहा।

- लोग समस्याओं के लिए पार्षदों को कर रहे शिकायत

ये थे मुख्य एजेंडे

एजेंडों में सड़कों की मरम्मत, सीवर व्यवस्था दुरुस्त करने, जल निकासी की समस्या, पेयजल समस्या, स्ट्रीट लाइट्स लगाने, पार्कों के रखरखाव और सफाई व्यवस्था सुधारने जैसे अहम मुद्दे शामिल थे।

1 पार्षदों ने अपने-अपने वार्डों में विकास कार्य करवाने के लिए दिए थे एजेंडे

2 तीन सौ एजेंडे किए थे पास, अब पार्षद लगा रहे निगम कार्यालय के चक्कर

लोगों में असंतोष

स्थानीय निवासियों का कहना है कि उन्होंने अपने-अपने पार्षदों के माध्यम से कई बार शिकायतें दर्ज करवाई हैं, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हो रहा। लोगों का आरोप है कि निगम प्रशासन केवल कागजों में काम दिखा रहा है, जबकि जमीनी स्तर पर कोई सुधार नजर नहीं आ रहा।

अधिकारी बोले, प्रक्रिया जारी

इस पूरे मामले में निगम अधिकारियों का कहना है कि एजेंडों पर प्रक्रिया जारी है और जल्द ही काम शुरू कर दिया जाएगा। कुछ कार्यों के लिए टेंडर प्रक्रिया चल रही है, जबकि कुछ मामलों में बजट स्वीकृति का इंतजार है। सभी एजेंडों पर चरणबद्ध तरीके से काम किया जाएगा।

वार्ड 7: लंबित प्रमुख एजेंडे

- गोहाना अड्डा–दिल्ली गेट से भगत सिंह पार्किंग तक नई सीवर पाइपलाइन व सड़क निर्माण।
- शहीद लाला लाजपत राय चौक को अतिक्रमण मुक्त कराना।
- किल्ला मोहल्ला की जर्जर सीवर पाइपलाइन को पूरी तरह बदलना।
- वार्ड में सामुदायिक केंद्र/धर्मशाला का निर्माण।
- संजय नगर (काली माता मंदिर गली) व सुनीता-ओमप्रकाश वाली गलियों का निर्माण।
- साई दास कॉलोनी, सती माता मंदिर व आसपास की गलियों का नवनिर्माण।
- पाड़ा मोहल्ला (पवन अरोड़ा गली व आसपास) का निर्माण।
- तेज कॉलोनी की तंग गली में नई पाइपलाइन डालकर सड़क निर्माण, भाटिया गली का निर्माण।
- गोहाना अड्डा योग आश्रम से सुखपुरा चौक तक नाले का नवनिर्माण व नए डिस्पोजल से जोड़ना।
- वार्ड में सफाई कर्मचारियों की संख्या बढ़ाना।
- गोहाना अड्डा से सुखपुरा चौक तक दोनों ओर नालों की सफाई।
- गोहाना अड्डा–सुभाष रोड–अंबेडकर चौक तक सफाई।
- गोहाना अड्डा–राहड़ रोड–प्रेम नगर चौक तक सफाई।
- लाला लाजपत राय चौक से योग आश्रम चौक तक सफाई।
- शांतमई चौक–आउटर किल्ला रोड–गोहाना अड्डा तक सफाई।
- गोहाना अड्डा से तेज कॉलोनी (पाड़ा मोहल्ला बूस्टर तक) दोनों ओर नालों की सफाई।

अलग खबर

वार्ड 14: लंबित प्रमुख एजेंडे

- ☐ नगर की वाल्मीकि बस्ती के 120 परिवारों को जमीन का मालिकाना हक दिलाना।
- ☐ प्रधानमंत्री उदय योजना के तहत स्वामित्व देने की प्रक्रिया शुरू नहीं हुई।
- ☐ मालिकाना हक न मिलने से पीएम आवास योजना सहित कई योजनाओं का लाभ अटका।
- ☐ आदर्श नगर के बूस्टर को पीजीआईएमएस टैंक से जोड़ने का काम लंबित।
- ☐ कुत्तों के लिए प्रस्तावित शेल्टर होम पर कोई कार्रवाई नहीं।

वार्ड 6: प्रमुख एजेंडे

- झुग्गी-झोपड़ियों में शौचालयों का निर्माण और पुराने शौचालयों की मरम्मत।
- भगत सिंह पार्किंग में ओपन लाइब्रेरी।
- ओल्ड पटवारखाना (पाड़ा मोहल्ला) में डिस्पेंसरी।
- कृष्णा बाजार, इंदिरा मार्केट, चमेली मार्केट, बड़ा बाजार व प्रताप चौक में अग्निशमन उपकरण।
- राधे-राधे पार्क में सीसीटीवी कैमरे लगवाना।
- बाजारों में आरओ एटीएम स्थापित करना।
- बेसहारा पशुओं और कुत्तों पर नियंत्रण के लिए प्रबंध।
- सड़कों और नालियों का निर्माण।

अभी तक काम क्यों नहीं हुआ

हाउस की मीटिंग में जो एजेंडे रखे गए थे। उन्हें तत्कालीन निगम आयुक्त डॉ आनंद कुमार शर्मा और मेयर रामअवतार वाल्मीकि ने पास कर दिया था। उन्हें आश्वासन दिया गया था कि यहां जल्द ही काम शुरू हो जाएगा। लेकिन अभी तक एजेंडों पर काम कहां तक हुआ, यह जानकारी नहीं दी जा रही है। **-कपिल नागपाल,** 7 वार्ड पार्षद

जरुरी एजेंडों पर काम नहीं

हाउस की मीटिंग में जो एजेंडे रखे गए थे, उनमें कुछ महत्वपूर्ण थे। लेकिन उन पर काम नहीं हो पाया। हालांकि पार्कों का नवीनीकरण किया गया है और कुछ योजनाओं पर काम हुआ है।

-कंचन खुराना, 14 वार्ड पार्षद

25 एजेंडे दिए थे

हाउस की मीटिंग में वार्ड से करीब 25 एजेंडे रखे थे। जिन्हें पास कर दिया गया, लेकिन अभी तक अधिकारियों ने जानकारी नहीं दी है कि इन पर कहां तक काम हुआ है। उनके सभी एजेंडों पर तत्काल कार्य शुरू होना चाहिए।

-नीरा भटनागर, पार्षद वार्ड 6

कैसे होगा विकास

हाउस की मीटिंग में जो एजेंडे रखे जाते हैं। उनकी पूरी समीक्षा होनी चाहिए। आयुक्त और मेयर को एजेंडों पर काम शुरू करवाना चाहिए। पार्षदों और अधिकारियों के बीच बेहतर तालमेल होगा, तभी शहर में विकास कार्य हो पाएंगे। 4 माह में भी एजेंडों पर कार्रवाई का पता न चल पाना निंदनीय है।

-सूरजमल किलोई, पूर्व मेयर पद प्रत्याशी

न्यूज डायरी

पटाखा उद्योग को देश में बंद किया जाए

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (मदवि) स्थित श्रीमातुराम यज्ञशाला में आयोजित साप्ताहिक वायुशोधक अग्निहोत्र के दौरान देश में पटाखों से बढ़ते प्रदूषण और लगातार हो रही मौतों पर गहरा मंथन किया गया। वक्ताओं ने हाल ही में तमिलनाडु और केरल की पटाखा फैक्ट्रियों में हुए हादसों का जिक्र करते हुए सरकारों की कार्यप्रणाली पर कड़े सवाल उठाए। यज्ञशाला में वक्ताओं ने कहा कि तमिलनाडु में 25 और केरल में 13 लोगों की मौत के बाद राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और विपक्षी नेताओं ने संवेदनाएं तो व्यक्त कीं, लेकिन इस मूल समस्या के समाधान पर कोई विचार नहीं किया। शादी, जन्मदिन, चुनावी जीत और खेल में जीत के नाम पर फोड़े जाने वाले पटाखे न केवल पर्यावरण को प्रदूषित कर रहे हैं, बल्कि हमारे पवित्र त्योहारों को भी मातम में बदल रहे हैं। उन्होंने सरकार से मांग की कि पटाखा उद्योग को पूरे देश में बंद किया जाए। वक्ताओं का तर्क था कि बारूद का उपयोग केवल सीमा पर शत्रुओं के लिए या खनन कार्यों के लिए होना चाहिए। मनोरंजन के लिए ढोल-नगाड़े बजाए जा सकते हैं या मिठाइयां बांटी जा सकती हैं, लेकिन ध्वनि और वायु प्रदूषण फैलाकर मौत बांटना किसी भी दृष्टि से उचित नहीं है।

डॉ. जगजीत सिंह निराला को राजस्थान में मिला 'डॉ. आंबेडकर कीर्ति सम्मान 2026

रोहतक। प्रसिद्ध साहित्यकार और समाज सेवक डॉ. जगजीत सिंह निराला ने अपनी विशिष्ट कार्यशैली और समाज के प्रति समर्पण से एक बार फिर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। हाल ही में राजस्थान के नागौर जिले में आयोजित एक भव्य समारोह के दौरान डॉ. निराला को प्रतिष्ठित डॉ. अंबेडकर कीर्ति सम्मान 2026 से नवाजा गया। यह सम्मान अखिल भारतीय कबीर मठ सद्गुरु कबीर आश्रम सेवा संस्थान (बड़ी खाटू) और डॉ. अंबेडकर प्रतिमा अनावरण सेवा समिति (रोहिणी) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया था। ग्राम पंचायत भवन, रोहिणी में बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती और उनकी प्रतिमा अनावरण समारोह के अवसर पर डॉ. निराला को यह गौरव प्राप्त हुआ। समारोह के दौरान वक्ताओं ने बताया कि डॉ. जगजीत सिंह निराला पिछले कई वर्षों से साहित्य सृजन के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण और वंचित वर्गों की समाज सेवा में निरंतर सक्रिय हैं। उनके इसी बहुमूल्य योगदान को देखते हुए उन्हें यह कीर्ति सम्मान दिया गया है। इस गरिमामयी अवसर पर पूर्व मंत्री डॉ. मंजू मेघवाल, नागौर विधायक हरेंद्र मिर्धा, पद्मश्री हिम्मता राम भामू और भारत भूषण डॉ. नानक दास महाराज सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। डॉ. निराला की इस उपलब्धि पर हरियाणा और राजस्थान के साहित्य जगत में हर्ष की लहर है।

मुआवजा, पानी और बीमा क्लेम पर भड़की किसान सभा

आंदोलन तेज करने का ऐलान

रोहतक। जसबीर भवन में बैठक को सम्बोधित करते जिला सचिव सुमित दलाल।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

जिले में किसानों के मुद्दों को लेकर अखिल भारतीय किसान सभा की जिला कमेटी ने रविवार को जसबीर भवन में बैठक कर बड़ा निर्णय लिया। बैठक की अध्यक्षता जिला प्रधान सुनील मलिक ने की, जबकि संचालन जिला सचिव सुमित दलाल ने किया। बैठक में फसल खराबे के मुआवजे, बीमा क्लेम और सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी जैसे अहम मुद्दों पर चर्चा करते हुए आंदोलन को तेज करने की रणनीति तैयार की गई। बैठक में जिला सचिव सुमित दलाल ने बताया कि खरीफ 2025 के दौरान हुई बारिश और जलभराव से जिले में भारी फसल नुकसान हुआ था।

सिंचाई व्यवस्था को लेकर भी गंभीर चिंता जताई

किसानों ने करीब डेढ़ लाख एकड़ भूमि के लिए क्षतिपूर्ति पोर्टल पर पंजीकरण कराया, लेकिन सरकार ने मात्र 22,013 एकड़ को ही स्वीकार किया। इतना ही नहीं, इनमें से भी सिर्फ 6,502 एकड़ का ही मुआवजा जारी किया गया। इस स्थिति में हजारों किसान मुआवजे से वंचित रह गए हैं। किसान सभा ने इसे किसानों के साथ बड़ा धोखा बताते हुए सरकार के खिलाफ आंदोलन तेज करने की चेतावनी दी है।किसान सभा ने बैठक में सिंचाई व्यवस्था को लेकर भी गंभीर चिंता जताई। संगठन ने मांग की कि रोहतक जिले की नहरों में पर्याप्त पानी छोड़ा जाए, ताकि किसानों को फसलों की सिंचाई में परेशानी न हो।

बाल संस्कार कार्यक्रम का समापन

रोहतक। माता धनपति देवी चैरिटेबल ट्रस्ट नए भवन में बाल संस्कार का आयोजन किया गया। मीडिया प्रभारी राजीव जैन ने बताया जिसमें मुख्य अतिथि हनुमान ज्वैलर्स के एमडी देवेन्द्र ने भगवान गणेश के समक्ष दीप प्रज्वलित करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया। तत्पश्चात ओमप्रकाश विरमानी ने अपने मधुर भजनों से बच्चों को मंत्रमुग्ध कर दिया और संजय चावला ने राम नाम की माला जपवा कर ध्यान मुग्ध किया। कुलदीप मित्तल ने बच्चों से प्रश्नोत्तरी की व बच्चों ने भली-भांति जवाब भी दिए। गोविंद राम सिंघल ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि उन्हें अपने जीवन में सदमार्ग पर चलते हुए आगे बढ़ना हैं। ट्रस्ट के चेयरमैन हरि प्रकाश गुप्ता ने बताया कि हमें घर में अपने माता-पिता का आशीर्वाद लेकर ही निकलना चाहिए। उनका आशीर्वाद ही आप बच्चों की मुसीबत से लड़ने से बचाएगा। इस अवसर पर सतीश ठेकेदार, गोविंद राम सिंघल, संजय चावला, वेद प्रकाश साहनी, अजेश गुप्ता, कुलदीप मित्तल, कविता जांगड़ा, डा. पुष्पलता आहुजा, नीरज, राम अवतार शास्त्री आदि उपस्थित थे।

एमपीएचडब्ल्यू एसो. ने 4 मई को अनशन की दी चेतावनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जरोहतक

बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कर्मचारी एसोसिएशन (हरियाणा) का राज्य स्तरीय प्रतिनिधि कन्वेंशन रोहतक में प्रदेश अध्यक्ष शर्मिला देवी की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। संगठन का एक वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने पर आयोजित इस सम्मेलन में प्रदेश भर के सैकड़ों पदाधिकारियों ने भाग लिया। मंच का संचालन महासचिव सहदेव आर्य ने किया। सम्मेलन में कर्मचारियों की अनदेखी पर कड़ा रोष व्यक्त किया गया। प्रदेश अध्यक्ष शर्मिला देवी और उप प्रधान सुदेश देवी ने आगामी आंदोलनों का ऐलान करते हुए बताया कि 4 मई को लंबित मांगों को लेकर महानिदेशक स्वास्थ्य कार्यालय पर सुबह 9 से 3 बजे तक क्रमिक अनशन और सांकेतिक प्रदर्शन किया जाएगा।

मांगे पूरी नहीं होने तक संघर्ष जारी रखने का लिया संकल्प

5 जुलाई को यदि मांगें पूरी नहीं हुईं, तो प्रदेश के लगभग 8,000 स्वास्थ्य कर्मचारी स्वास्थ्य मंत्री आरती राव के रामपुरा हाउस (रेवाड़ी) पर विशाल रोष प्रदर्शन करेंगे। राज्य प्रवक्ता संदीप कुंडू ने बताया कि एसोसिएशन मुख्य रूप से न्यू नॉर्म्स के नाम पर समाप्त किए गए पदों की बहाली, आबादी के अनुसार नए पद सृजित करने, पदनाम संशोधन, ऑनलाइन ट्रांसफर के बजाय ऑफलाइन तबादले खोलने और मेवात में कार्यरत कर्मचारियों को 'मेवात अलाउंस' देने की मांग कर रही है। इसके अलावा, एनएचएम कर्मचारियों को मूल वेतनमान एफपीएल6 का लाभ और भर्ती में अनुभव के अंक देने की मांग भी प्रमुखता से उठाई गई। सम्मेलन में सर्व कर्मचारी संघ के महासचिव कृष्ण नैन सहित विभिन्न जिलों के प्रधानों ने हिस्सा लिया और संकल्प लिया कि कर्मचारी हितों के लिए संघर्ष जारी रहेगा।

सब्जी मंडी के बाद गंदगी का सही से नहीं होता उठान

सेक्टर-2 और 3 के लोग परेशान, लोग नाक सिकोड़ने को हो रहे मजबूर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

सेक्टर-2 पार्ट के पास खाली पड़ी जगह पर हर वीरवार और रविवार को लगने वाली सब्जी मंडी अब लोगों के लिए बड़ी समस्या बनती जा रही है। मंडी खत्म होने के बाद फल-सब्जियों के अवशेषों का समय पर उठान नहीं होने से यहां गंदगी का ढेर लग जाता है, जिससे आसपास रहने वाले सैकड़ों परिवारों को रोजाना परेशानी झेलनी पड़ रही है। लोगों का कहना है कि पहले यह स्थान सुबह-शाम टहलने के लिए उपयोग में आता था। बच्चे यहां खेलते थे और बुजुर्ग खुली हवा में समय बिताते थे। लेकिन अब हालात ऐसे हो गए हैं कि लोग यहां आना तक पसंद नहीं करते। मंडी के बाद सड़ती सब्जियों और फलों से उठने वाली दुर्गंध के कारण लोग नाक सिकोड़ते हुए वहां से गुजरने को मजबूर हैं। मालूम रहे कि मंडी जगह

हरिभूमि सरोकार

के दोनों ओर सड़क है, जहां से रोजाना बड़ी संख्या में वाहन गुजरते हैं। लेकिन गंदगी और बदबू के कारण वाहन चालकों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। खास बात यह है कि मंडी के ठीक साथ सेक्टर-2 पार्ट स्थित है, जबकि सड़क पार करते ही सेक्टर-3 शुरू हो जाता है। ऐसे में यह समस्या दोनों सेक्टरों के निवासियों को प्रभावित कर रही है।

सफाई व्यवस्था जरूरी: बिजेंद्र

बिजेंद्र सिंह का कहना है कि सप्ताह में दो बार मंडी लगना एक अच्छी पहल है, क्योंकि इससे लोगों को ताजी सब्जियां और फल आसानी से उपलब्ध हो जाते हैं। लेकिन इसके बाद सफाई व्यवस्था भी उतनी ही जरूरी है। उनका कहना है कि नगर निगम को मंडी खत्म होने के तुरंत बाद सफाई सुनिश्चित करनी चाहिए, ताकि गंदगी फैलने से रोका जा सके। यहां रहने वाले सतेंद्र सिंह की मांग है कि यदि समय रहते इस समस्या का समाधान नहीं किया गया, तो गंदगी के कारण बीमारियां फैलने का खतरा भी बढ़ सकता है। उन्होंने नगर निगम से मांग की है कि इस मुद्दे को गंभीरता से लेते हुए ठोस कदम उठाए जाएं, ताकि क्षेत्रवासियों को राहत मिल सके। फिलहाल, सेक्टर-2 पार्ट के लोग उम्मीद लगाए बैठे हैं कि प्रशासन उनकी समस्या को समझेगा और जल्द ही इस गंदगी से निजात दिलाएगा, ताकि यह जगह फिर से स्वच्छ और उपयोगी बन सके।

हरियाणा कन्या वाहिनी एनसीसी रोहतक ने शिविर में चलाई गई एसएसबी वर्कशॉप एवं आत्मरक्षा वर्कशॉप

रोहतक। एसआरएस विद्यालय में 2 हरियाणा कन्या वाहिनी एनसीसी रोहतक के द्वारा आयोजित वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में कैडेट के विकास के लिए 2 महत्वपूर्ण वर्कशॉप चलाई गई । इंजीनियर दीपक कुमार प्रसाद के द्वारा एसएसबी तकनीक सिखाई गई एवं ग्रुप डिस्कशन, व्याख्यान, सिचुएशन रिएक्शन टेस्ट जैसी कुछ एसएसबी प्रक्रियाओं का अनुभव भी प्रदान किया। कैडेट की सक्रिय भागीदारी ने उनके उत्साह को और बढ़ाया । बतौर कन्या कैडेट इस प्रकार का प्रशिक्षण कैडेटों में सक्षमता बढ़ाने के लिए बेहद उपयोगी रहा। मानविका फाउंडेशन के संस्थापक यश भारतीय आए जो मार्शल आर्ट एक्सपर्ट एवं एक फिटनेस कोच है। अपने प्रशिक्षण से यश भारतीय अनेक छात्राओं को आत्मरक्षा तकनीक सीखा चुके हैं जिनमें हजारों की संख्या में दिल्ली के एनसीसी कैडेट भी शामिल है। यश भारतीय शारीरिक रूप से स्वयं को सुरक्षित करने के साथ साथ बालिकाओं को भावनात्मक रूप से सुरक्षित रहने के लिए भी मानसिक स्वास्थ्य संबंधित प्रशिक्षण प्रदान करते हैं।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20,
फोन : 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
सिटी कार्यालय :- हरिभूमि, कृषि विज्ञान केन्द्र के सामने, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9996959400
मुख्य कार्यालय :- हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9253681019-20

कार्रवाई कल से नोटिस अभियान शुरू, मिलेगा एक हफ्ते का समय, बाद में होगी तोड़फोड़

शहर की सड़कों को जाम मुक्त कर यातायात व्यवस्था को सुगम बनाना लक्ष्य

नगर निगम का कड़ा रुख: अतिक्रमणकारियों और बल्क वेस्ट जनरेटरों की अब खैर नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

शहर की व्यवस्था को पटरी पर लाने और स्वच्छता रैंकिंग में सुधार के लिए नगर निगम अब 'एक्शन मोड' में नजर आ रहा है। निगम प्रशासन ने दो टूक शब्दों में चेतावनी दी है कि सार्वजनिक रास्तों पर कब्जा करने वालों और कूड़े का सही प्रबंधन न करने वाली बड़ी संस्थाओं के खिलाफ अब कानूनी डंडा चलेगा। कल से निगम का विशेष अभियान यानी नोटिस जारी करने का अभियान शुरू होगा। ताकि पहले ही सूचित किया जा सकें।

लेबर खर्च की जिम्मेदारी भी अतिक्रमणकारी की

नगर निगम ने शहर की सड़कों और फुटपाथों को अतिक्रमण मुक्त करने के लिए नई रणनीति तैयार की है। अब निगम सीधे तोड़फोड़ करने के बजाय अतिक्रमण करने वालों को औपचारिक नोटिस जारी करेगा। इस नोटिस के माध्यम से संबंधित व्यक्ति या दुकानदार को एक हफ्ते का समय दिया जाएगा ताकि वह स्वयं अपना अवैध निर्माण या कब्जा हटा ले। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सात दिन की मोहलत खत्म होते ही निगम की टीम भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचेगी और सीधे तोड़फोड़ की कार्रवाई शुरू करेगी। इस दौरान होने वाले नुकसान और लेबर खर्च की जिम्मेदारी भी अतिक्रमणकारी की ही होगी। इस कदम का उद्देश्य शहर के मुख्य बाजारों और सड़कों पर यातायात को सुगम बनाना है।

बल्क वेस्ट जनरेटरों पर शिकंजा

स्वच्छ भारत मिशन के तहत कूड़ा निस्तारण को लेकर भी निगम सख्त हो गया है। शहर की ऐसी संस्थाएं, अस्पताल, होटल या हाउसिंग सोसायटियां जो प्रतिदिन भारी मात्रा में कचरा पैदा करती हैं (बल्क वेस्ट जनरेटर), उनके लिए अपने कचरे का स्वयं निस्तारण करना अनिवार्य है। नगर निगम के अनुसार, अभी तक 15 से ज्यादा बड़ी संस्थाओं ने कूड़ा निस्तारण के लिए निगम के साथ एग्रीमेंट कर लिया है।

सभी संस्थाओं की निगम में सूची तैयार

हालांकि, अभी भी एक लंबी सूची ऐसी संस्थाओं की है जिन्होंने कूड़ा प्रबंधन को लेकर कोई जानकारी साझा नहीं की है। कल, 27 अप्रैल से निगम इन सभी चिन्हित संस्थाओं को नोटिस भेजने की प्रक्रिया शुरू कर देगा। नोटिस के जरिए उनसे जवाब मांगा जाएगा कि उन्होंने कूड़े के निस्तारण के लिए खुद का प्लांट लगाया है या वे किसी अन्य एजेंसी के माध्यम से इसका प्रबंधन कर रहे हैं।

स्वच्छता और सुव्यवस्था की ओर बढ़ते कदम

नगर निगम के इस दोहरे अभियान से शहरवासियों में हड़कंप मचा हुआ है। निगम अधिकारियों का कहना है कि शहर को सुंदर और साफ सुथरा बनाने के लिए कड़े फैसले लेना जरूरी है। एक तरफ जहां सड़कों से अतिक्रमण हटने से लोगों को जाम से मुक्ति मिलेगी, वहीं दूसरी ओर बल्क वेस्ट के वैज्ञानिक निस्तारण से डंपिंग यार्ड पर कचरे का बोझ कम होगा।